CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2023 with Solution PDF-Set 2/3/3

Question Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

निर्धारित समय: 3 Hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रश्न 3 में आंतरिक विकल्प दिया गया है; ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
(iii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।

1. समाज में, परिवार में विविध कुल परंपराओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। हमारे वयोवृद्ध ही इन संस्कृतियों एवं परंपराओं के वाहक होते हैं और इनसे भलीभाँति परिचित होते हैं। वयोवृद्ध परिवार के तरुण सदस्यों को धर्मोन्मुख करते हैं, धार्मिक विधि-विधानों का महत्त्व समझाते हैं। वे भौतिकता और आध्यात्मिकता में संतुलन कायम करना सिखाते हैं। वे ही परिवार में शांति के उपाय, लोक-व्यवहार, रीति-नीति आदि के बारे में सद्गुण विकसित करने में सहायक होते हैं और संस्कारों की नींव रखते हैं। अतः किसी भी कारणवश परिवार के वृद्धजनों का अनादर एवं अपमान नहीं होना चाहिए। तरुणों का यह परम कर्तव्य हो जाता है कि वे उनकी भावनाओं को ठेस न पहुँचाएँ और उनके मान-सम्मान में कोई कमी न आने दें तथा उनकी सुरक्षा कोमलता से करें। भौतिक जीवन-शैली के चलते भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं जिसका परिणाम बुजुर्गों की उपेक्षा एवं उनका तिरस्कार है। बुजुर्गों को दरकिनार करने से आज परिवारों में कलह-क्लेश, दुख-संताप बढ़ रहा है। भौतिक जीवन-शैली से हमारी आस्थाओं के मूल्य ही बदल गए हैं। मानसिक अशांति बढ़ रही है, रोग-शोक बढ़ रहे हैं। परिवार के तरुण सदस्यों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे परिवार के वृद्धजनों को अपने से अलग न करें एवं उनका यथोचित मान-सम्मान करें। परिवार, समाज की कसौटी पर खरी उतरने वाली धारणाओं, मान्यताओं एवं परम्पराओं को तोड़ने-मोड़ने का या उनकी अनदेखी करने का प्रयास कदापि न करें। संस्कार वहीं अच्छे होंगे जहाँ बुजुर्गों का, माँ-बाप का मान-सम्मान करते हुए उनके द्वारा निर्देशित संस्कृति एवं परंपराओं का ध्यान रखा जाएगा। बुजुर्ग जीवन के मूल्यों को जानने वाले होते हैं। उनका भी कर्तव्य है कि वे परिवार के हर मामले में अनावश्यक हस्तक्षेप इसलिए न करें कि वे बुजुर्ग हैं। उनको भी हृदय की विशालता बनाए रखने में संकोच नहीं करना चाहिए। [10 अंक]

1(i). वृद्धजनों को संस्कारों और रीतिरिवाजों का वाहक क्यों माना जाता है ? [1 अंक]

(A) क्योंकि वे जीवन-मूल्यों को जानने वाले होते हैं

(B) क्योंकि वे इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाते हैं

(C) क्योंकि वे निष्ठा और लगन से इनका पालन करते हैं

(D) क्योंकि वे जीवन में इनके महत्त्व से परिचित हैं

सही उत्तर: (B) क्योंकि वे इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाते हैं

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी के कथनों और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- प्रश्न के मुख्य शब्द और विकल्पों के अर्थ की तुलना करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश में निर्णायक आधार गद्यांश में वृद्धजनों को संस्कृति एवं परंपराओं का वाहक कहा गया है। वे तरुण सदस्यों को धार्मिक विधि-विधान, लोक-व्यवहार और रीति-नीति सिखाते हैं। इस प्रकार वे स्वयं तक सीमित न रखकर संस्कार अगली पीढ़ी तक पहुँचाते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) जीवन-मूल्यों के ज्ञान और (D) उनके महत्त्व की जानकारी की बात करते हैं; ये योग्यताएँ हैं, वाहक होने का मुख्य कारण नहीं। (C) केवल व्यक्तिगत पालन बताता है। प्रश्न में वाहक शब्द का अर्थ परंपरा को आगे पहुँचाने वाला है।

चरण 3: निष्कर्ष वृद्धजन संस्कारों और रीतिरिवाजों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाते हैं। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: वाहक का अर्थ आगे पहुँचाने वाला समझें; केवल जानकारी रखने या स्वयं पालन करने के बजाय अगली पीढ़ी तक परंपरा पहुँचाने वाला विकल्प चुनें।

1(ii). संस्कार संबंधी पारिवारिक परंपराओं के समाप्त होने का कारण है : [1 अंक]

(A) संयुक्त परिवारों का विघटन

(B) भौतिकतावाद का बढ़ता प्रचलन

(C) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

(D) व्यस्त जीवन-शैली

सही उत्तर: (B) भौतिकतावाद का बढ़ता प्रचलन

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी के कथनों और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- प्रश्न के मुख्य शब्द और विकल्पों के अर्थ की तुलना करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश में निर्णायक आधार लेखक कहता है कि भौतिक जीवन-शैली के चलते भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं। इसका परिणाम बुजुर्गों की उपेक्षा और तिरस्कार है। इसलिए पारिवारिक संस्कारों के कमजोर पड़ने का कारण भौतिकतावाद का बढ़ना है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) संयुक्त परिवार का विघटन परिणाम हो सकता है, पर यहाँ मूल कारण नहीं बताया गया। (C) पाश्चात्य संस्कृति और (D) व्यस्त जीवन का स्पष्ट उल्लेख कारण के रूप में नहीं है। गद्यांश के कथन से सीधे मेल खाने वाला विकल्प (B) है।

चरण 3: निष्कर्ष संस्कार संबंधी पारिवारिक परंपराओं के समाप्त होने का कारण भौतिकतावाद का बढ़ता प्रचलन है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: कारण पहचानने के लिए भौतिक जीवन-शैली के चलते वाली पंक्ति देखें; संयुक्त परिवार के विघटन को उसका मूल कारण न मानें।

1(iii). वृद्ध व्यक्तियों को परिवार की धुरी क्यों माना जाता है ? [1 अंक]

(A) भौतिक जीवन-शैली के दुष्परिणामों से अवगत कराने के कारण

(B) परिवार में सद्गुणों और संस्कारों की नींव रखने के कारण

(C) जीवन के लंबे अनुभव और ज्ञान के कारण

(D) परंपराओं और संस्कारों का सम्मान करने के कारण

सही उत्तर: (B) परिवार में सद्गुणों और संस्कारों की नींव रखने के कारण

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी के कथनों और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- प्रश्न के मुख्य शब्द और विकल्पों के अर्थ की तुलना करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश में निर्णायक आधार गद्यांश में वृद्धजनों को परिवार में शांति, लोक-व्यवहार और रीति-नीति सिखाने वाला बताया गया है। वे सद्गुणों का विकास करते हैं और संस्कारों की नींव रखते हैं। परिवार की धुरी होने का आशय इसी केंद्रीय, रचनात्मक भूमिका से है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) केवल भौतिकता के दुष्परिणाम बताने तक सीमित है। (C) अनुभव तथा ज्ञान उनकी विशेषताएँ हैं, पर प्रश्न उनके पारिवारिक योगदान का है। (D) स्वयं सम्मान करना बताता है, जबकि (B) परिवार में गुण और संस्कार विकसित करने का पूरा भाव देता है।

चरण 3: निष्कर्ष वृद्धजन परिवार में सद्गुणों और संस्कारों की नींव रखते हैं, इसलिए उन्हें परिवार की धुरी माना गया है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: परिवार की धुरी को केंद्रीय योगदान समझें और उसे सद्गुणों तथा संस्कारों की नींव रखने वाले वाक्य से जोड़ें।

1(iv). वृद्धजनों का अनादर करने के परिणामों के विषय में कौन-सा कथन असत्य है ? [1 अंक]

(A) सामाजिक व पारिवारिक विघटन

(B) समाज और परिवार में कुव्यवस्था

(C) परिवार में कलह-क्लेश, दुःख-संताप

(D) भौतिकता और आध्यात्मिकता का असंतुलन

सही उत्तर: (D) भौतिकता और आध्यात्मिकता का असंतुलन

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी के कथनों और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- प्रश्न के मुख्य शब्द और विकल्पों के अर्थ की तुलना करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश में निर्णायक आधार प्रश्न में असत्य कथन चुनना है। गद्यांश बुजुर्गों को दरकिनार करने से परिवारों में कलह-क्लेश और दुख-संताप बढ़ने की बात कहता है। इससे पारिवारिक संबंध कमजोर पड़ते हैं तथा व्यवस्था बिगड़ती है। इसलिए (A), (B) और (C) उपेक्षा के सामाजिक-पारिवारिक परिणामों से मेल खाते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच गद्यांश में भौतिकता और आध्यात्मिकता के संतुलन का उल्लेख वृद्धजनों द्वारा सिखाई जाने वाली जीवन-दृष्टि के रूप में है। उसे उनके अनादर का परिणाम बताकर प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस प्रश्न के संदर्भ में (D) को परिणामों वाले कथन से अलग पहचानना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष वृद्धजनों के अनादर के परिणाम के रूप में भौतिकता और आध्यात्मिकता का असंतुलन नहीं बताया गया है। अतः अपेक्षित सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: असत्य पूछे जाने पर सामान्य अनुमान के स्थान पर देखें कि गद्यांश ने किस बात को सीधे परिणाम के रूप में प्रस्तुत किया है।

1(ix). 'भौतिक जीवन-शैली से हमारी आस्थाओं के मूल्य ही बदल गए हैं।' — पंक्ति का आशय है : [1 अंक]

(A) भौतिक जीवन-शैली ने हमें अर्थ-प्रधान बना दिया है

(B) भौतिक जीवन-शैली ने हमें धर्म-प्रधान बना दिया है

(C) भौतिक जीवन-शैली ने हमें भाव-प्रधान बना दिया है

(D) भौतिक जीवन-शैली ने हमें कर्म-प्रधान बना दिया है

सही उत्तर: (A) भौतिक जीवन-शैली ने हमें अर्थ-प्रधान बना दिया है

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी के कथनों और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- प्रश्न के मुख्य शब्द और विकल्पों के अर्थ की तुलना करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश में निर्णायक आधार भौतिक जीवन-शैली में धन, वस्तुओं और सुख-सुविधाओं को अधिक महत्त्व मिलता है। गद्यांश इसी प्रवृत्ति के कारण आस्थाओं और सांस्कृतिक मूल्यों में बदलाव बताता है। अतः पंक्ति का आशय जीवन में अर्थ अर्थात धन की प्रधानता बढ़ना है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (B) धर्म की प्रधानता बताता है, जबकि लेखक धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण की चर्चा करता है। (C) भावनाओं की प्रधानता भी उपेक्षा और तिरस्कार से मेल नहीं खाती। (D) कर्म की प्रधानता इस पंक्ति का विषय ही नहीं है। इसलिए (A) भाव के अनुकूल है।

चरण 3: निष्कर्ष भौतिक जीवन-शैली ने हमें अर्थ-प्रधान बना दिया है। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: भौतिक जीवन-शैली को धन और सुख-सुविधाओं की प्रधानता से जोड़ें; यहाँ अर्थ शब्द का आशय धन है।

1(v). बुजुर्गों के प्रति बढ़ती उपेक्षा और तिरस्कार का कारण है : [1 अंक]

(A) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव
(B) भौतिक जीवन-शैली का प्रभाव
(C) बुजुर्गों का अनावश्यक हस्तक्षेप
(D) बुजुर्गों में संयम की कमी

सही उत्तर: (B) भौतिक जीवन-शैली का प्रभाव

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी के कथनों और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- प्रश्न के मुख्य शब्द और विकल्पों के अर्थ की तुलना करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश में निर्णायक आधार गद्यांश का स्पष्ट कथन है कि भौतिक जीवन-शैली के चलते भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदल रहे हैं और इसका परिणाम बुजुर्गों की उपेक्षा एवं तिरस्कार है। यहाँ कारण और परिणाम को लेखक ने सीधे जोड़ा है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) पाश्चात्य संस्कृति को कारण नहीं कहा गया है। (C) अनावश्यक हस्तक्षेप न करने की सलाह वृद्धों को दी गई है, पर उपेक्षा का मूल कारण यह नहीं बताया गया। (D) संयम की कमी का उल्लेख नहीं है। अतः पाठ के प्रत्यक्ष कथन से (B) की पुष्टि होती है।

चरण 3: निष्कर्ष बुजुर्गों के प्रति बढ़ती उपेक्षा और तिरस्कार का कारण भौतिक जीवन-शैली का प्रभाव है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: उपेक्षा का कारण खोजते समय भौतिक जीवन-शैली के चलते और जिसका परिणाम वाले पदों को जोड़कर पढ़ें।

1(vi). भौतिक सुख-सुविधा के साधनों की वृद्धि ने जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ क्या दुखद स्थितियाँ दी हैं ? [1 अंक]

(A) शारीरिक और मानसिक व्याधियाँ
(B) व्यस्त जीवन-शैली
(C) धन-दौलत का अंबार
(D) जीवन का एकाकीपन

सही उत्तर: (A) शारीरिक और मानसिक व्याधियाँ

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी के कथनों और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- प्रश्न के मुख्य शब्द और विकल्पों के अर्थ की तुलना करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश में निर्णायक आधार लेखक भौतिक जीवन-शैली के प्रभाव बताते हुए कहता है कि मानसिक अशांति बढ़ रही है और रोग-शोक बढ़ रहे हैं। मानसिक अशांति मानसिक व्याधि की ओर तथा रोग शारीरिक कष्टों की ओर संकेत करते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (B) व्यस्त जीवन-शैली और (D) एकाकीपन इस स्थान पर बताए गए परिणाम नहीं हैं। (C) धन-दौलत का अंबार भौतिक वृद्धि को बताता है, प्रश्न में पूछी गई दुखद स्वास्थ्यगत स्थिति को नहीं। (A) शारीरिक तथा मानसिक दोनों तरह के

कष्टों को समेटता है।

चरण 3: निष्कर्ष भौतिक सुख-सुविधाओं की वृद्धि के साथ शारीरिक और मानसिक व्याधियाँ बढ़ी हैं। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: मानसिक अशांति को मानसिक और रोग-शोक को शारीरिक व्याधियों से मिलाएँ; दोनों को समेटने वाला विकल्प चुनें।

1(vii). युवाओं को वृद्धों के साथ क्या नहीं करना चाहिए ? [1 अंक]

(A) वृद्धों का अनादर और अपमान
(B) वृद्धों की कोमलता से सुरक्षा
(C) वृद्धों को परिवार का महत्त्वपूर्ण सदस्य मानना
(D) वृद्धों द्वारा निर्देशित परंपराओं का पालन करना

सही उत्तर: (A) वृद्धों का अनादर और अपमान

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी के कथनों और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- प्रश्न के मुख्य शब्द और विकल्पों के अर्थ की तुलना करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश में निर्णायक आधार प्रश्न पूछता है कि युवाओं को वृद्धों के साथ क्या नहीं करना चाहिए। गद्यांश का स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी कारणवश परिवार के वृद्धजनों का अनादर एवं अपमान नहीं होना चाहिए और उनकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचानी चाहिए।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (B) कोमलता से सुरक्षा, (C) महत्त्वपूर्ण सदस्य मानना और (D) निर्देशित परंपराओं का पालन करना सकारात्मक व्यवहार हैं। ये गद्यांश में अपेक्षित सम्मानपूर्ण दृष्टिकोण के अनुकूल हैं। निषिद्ध व्यवहार केवल (A) में दिया गया है।

चरण 3: निष्कर्ष युवाओं को वृद्धों का अनादर और अपमान नहीं करना चाहिए। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: नहीं करना चाहिए पर ध्यान दें; सुरक्षा और सम्मान सकारात्मक काम हैं, जबकि अनादर तथा अपमान निषिद्ध व्यवहार हैं।

1(viii). पारिवारिक विघटन को रोकने के लिए गद्यांश में वृद्धों से क्या अपेक्षा की गई है ? [1 अंक]

(A) एकांत में रहकर ईश्वर में ध्यान लगाना
(B) परंपराओं और मान्यताओं को युवाओं पर न थोपना
(C) युवाओं की समस्याओं को सुनना और सुलझाना
(D) पारिवारिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करना

सही उत्तर: (D) पारिवारिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करना

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी के कथनों और प्रसंग से निर्धारित करना चाहिए।
- प्रश्न के मुख्य शब्द और विकल्पों के अर्थ की तुलना करके सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।

चरण 1: गद्यांश में निर्णायक आधार गद्यांश के अंत में लेखक वृद्धजनों का कर्तव्य भी बताता है। केवल बुजुर्ग होने के कारण परिवार के हर मामले में अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्हें हृदय की विशालता बनाए रखनी चाहिए।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) एकांत में ईश्वर-ध्यान की सलाह नहीं दी गई है। (B) परंपराएँ न थोपना लेखक के ठीक उसी

निर्देश का रूप नहीं है। (C) समस्याएँ सुनना-सुलझाना उचित हो सकता है, लेकिन यहाँ अपेक्षा के रूप में नहीं लिखा गया। (D) अंतिम कथन का सीधा अर्थ देता है।

चरण 3: निष्कर्ष वृद्धों से पारिवारिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करने की अपेक्षा की गई है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: वृद्धों से अपेक्षा पूछी गई है, इसलिए अंतिम दो वाक्य पढ़ें; युवाओं के कर्तव्यों वाले पहले वाक्यों से उत्तर न चुनें।

1(x). निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन *(A)* : भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं।
कारण *(R)* : भौतिक जीवन-शैली का प्रभाव सर्वत्र हावी हो रहा है। [1 अंक]

(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(C) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।
(D) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है।

सही उत्तर: (A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- कथन और कारण की सत्यता अलग-अलग जाँचने के बाद उनके कारणात्मक संबंध को जाँचना चाहिए।
- अपठित गद्यांश में लेखक द्वारा दिए गए कारण को ही आधार बनाना चाहिए।

चरण 1: कथन की जाँच कथन (A) भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्यों में परिवर्तन की बात करता है। गद्यांश में स्पष्ट कहा गया है कि भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं। इसलिए कथन पाठ के अनुसार सही है।

चरण 2: कारण की जाँच कारण (R) भौतिक जीवन-शैली के व्यापक प्रभाव को बताता है। लेखक इसी जीवन-शैली से आस्थाओं के मूल्यों में बदलाव, बुजुर्गों की उपेक्षा और मानसिक अशांति बढ़ने की चर्चा करता है। अतः कारण भी गद्यांश के अनुसार सही है।

चरण 3: व्याख्यात्मक संबंध और विकल्प लेखक भौतिक जीवन-शैली के चलते मूल्यों में बदलाव बताता है। अतः कारण कथन की सही व्याख्या है। (B) में कथन को गलत और (C) में दोनों को गलत बताया गया है, जो पाठ के विरुद्ध है। (D) सही कारणात्मक संबंध को नकारता है। इसलिए केवल (A) पूर्णतः सही है।

चरण 4: निष्कर्ष कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: दोनों कथनों को सही पाकर न रुकें; गद्यांश में चलते, क्योंकि या परिणाम जैसे शब्दों से उनका कारणात्मक संबंध भी जाँचें।

2(i). संचार का सबसे प्राचीन माध्यम कौन-सा है ? [1 अंक]

(A) रेडियो

(B) दूरदर्शन

(C) सिनेमा

(D) समाचार-पत्र

सही उत्तर: (D) समाचार-पत्र

हल:

अवधारणा:

- जनसंचार माध्यम की प्रकृति और पत्रकारिता की शब्दावली से उत्तर की पहचान की जाती है।
- दिए गए सभी विकल्पों को प्रश्न में पूछी गई विशिष्ट विशेषता से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही विकल्प का आधार प्रस्तुत विकल्पों में समाचार-पत्र मुद्रित जनसंचार का सबसे प्राचीन माध्यम है। मुद्रण पर आधारित समाचार-पत्र का विकास रेडियो, सिनेमा और दूरदर्शन से पहले हुआ।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच रेडियो श्रव्य प्रसारण का माध्यम है और उसका विकास बाद में हुआ। दूरदर्शन दृश्य और श्रव्य प्रसारण को जोड़ता है। सिनेमा चलती तस्वीरों का माध्यम है। इसलिए (A), (B) और (C) दिए गए विकल्पों में सबसे प्राचीन माध्यम नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) समाचार-पत्र है।

त्वरित सुझाव: प्राचीन माध्यम पहचानने के लिए मुद्रित समाचार-पत्र को रेडियो, सिनेमा और दूरदर्शन से पहले रखें।

2(ii). दूरदर्शन के लिए ख़बर लिखने की बुनियादी शर्त आप किसे मानते हैं ? [1 अंक]

(A) सरल भाषा में लेखन

(B) दृश्य के साथ लेखन

(C) कम शब्दों में लेखन

(D) ख़बर बताते हुए लेखन

सही उत्तर: (B) दृश्य के साथ लेखन

हल:

अवधारणा:

- जनसंचार माध्यम की प्रकृति और पत्रकारिता की शब्दावली से उत्तर की पहचान की जाती है।
- दिए गए सभी विकल्पों को प्रश्न में पूछी गई विशिष्ट विशेषता से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही विकल्प का आधार दूरदर्शन एक दृश्य-श्रव्य माध्यम है। इसलिए उसके लिए समाचार लिखते समय उपलब्ध दृश्यों को केंद्र में रखकर शब्द चुने जाते हैं। शब्द और दृश्य एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच सरल भाषा (A), संक्षिप्तता (C) और बताने की शैली (D) समाचार को प्रभावी बनाने में उपयोगी हैं। किंतु ये बातें अन्य माध्यमों में भी लागू होती हैं। दूरदर्शन की विशिष्ट बुनियादी शर्त दृश्य के साथ लेखन है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (B) दृश्य के साथ लेखन है।

त्वरित सुझाव: दूरदर्शन के लिए पहले दृश्य देखें, फिर उन्हीं से मेल खाते शब्द लिखें।

2(iii). खेल जगत से जुड़ी शब्दावली का उदाहरण है : [1 अंक]

(A) स्टॉकिस्टों की चौतरफ़ा बिकवाली

(B) मलेशिया ने जर्मनी के आगे घुटने टेके

(C) चाँदी की चमक हुई फीकी

(D) सेंसेक्स आसमान पर

सही उत्तर: (B) मलेशिया ने जर्मनी के आगे घुटने टेके

हल:

अवधारणा:

- जनसंचार माध्यम की प्रकृति और पत्रकारिता की शब्दावली से उत्तर की पहचान की जाती है।
- दिए गए सभी विकल्पों को प्रश्न में पूछी गई विशिष्ट विशेषता से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही विकल्प का आधार खेल समाचारों में जीत और हार को प्रभावपूर्ण ढंग से व्यक्त करने के लिए विशिष्ट मुहावरे प्रयुक्त होते हैं। यहाँ दो देशों के नामों से उनकी टीमों का संकेत है और घुटने टेकना पराजय को व्यक्त करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच स्टॉकिस्टों की बिकवाली (A) व्यापार और बाजार की भाषा है। चाँदी की चमक फीकी होना (C) बहुमूल्य धातु के बाजार भाव में गिरावट दर्शाता है। सेंसेक्स आसमान पर (D) शेयर बाजार की तेजी बताता है। ये खेल जगत के उदाहरण नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (B) मलेशिया ने जर्मनी के आगे घुटने टेके है।

त्वरित सुझाव: देशों की टीमों और घुटने टेकने जैसे हार के मुहावरे से खेल समाचार पहचानें।

2(iv). समाचार लिखते समय मुख्यतः कितने सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है ? [1 अंक]

(A) तीन

(B) चार

(C) पाँच

(D) छह

सही उत्तर: (D) छह

हल:

अवधारणा:

- जनसंचार माध्यम की प्रकृति और पत्रकारिता की शब्दावली से उत्तर की पहचान की जाती है।
- दिए गए सभी विकल्पों को प्रश्न में पूछी गई विशिष्ट विशेषता से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही विकल्प का आधार समाचार में मुख्यतः छह सवालों का उत्तर दिया जाता है। इन्हें छह ककार कहते हैं: क्या, कब, कहाँ, कौन, क्यों और कैसे। ये घटना की बुनियादी जानकारी पाठक तक पहुँचाते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच क्या घटना, कब समय, कहाँ स्थान और कौन संबंधित व्यक्ति की जानकारी देता है। क्यों कारण तथा कैसे घटना के तरीके को स्पष्ट करता है। तीन (A), चार (B) या पाँच (C) कहने पर इन छह आवश्यक प्रश्नों की पूरी संख्या व्यक्त नहीं होती।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) छह है।

त्वरित सुझाव: छह ककार गिनें: क्या, कब, कहाँ, कौन, क्यों और कैसे।

2(v). सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन को पत्रकारिता की भाषा में क्या कहते हैं ? [1 अंक]

(A) आलेख

(B) विशेष लेख

(C) स्तंभ लेख

(D) फ़ीचर

सही उत्तर: (D) फ़ीचर

हल:

अवधारणा:

- जनसंचार माध्यम की प्रकृति और पत्रकारिता की शब्दावली से उत्तर की पहचान की जाती है।
- दिए गए सभी विकल्पों को प्रश्न में पूछी गई विशिष्ट विशेषता से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही विकल्प का आधार पत्रकारिता में किसी विषय की सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ प्रस्तुति फ़ीचर कहलाती है। इसमें लेखक रोचक शैली, संवेदनशील विवरण और अपने अनुभव से विषय को जीवंत बनाता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच आलेख (A) में विषय का विचारपूर्ण विवेचन प्रमुख होता है। विशेष लेख (B) किसी खास विषय पर केंद्रित होता है। स्तंभ लेख (C) नियमित स्तंभ में प्रकाशित लेखन का रूप है। प्रश्न में दी गई तीन विशेषताएँ संयुक्त रूप से फ़ीचर की पहचान कराती हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) फ़ीचर है।

त्वरित सुझाव: सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ, इन तीन गुणों को फ़ीचर की पहचान से जोड़ें।

3(a). वर्षों तक वन में घूम-घूम,
बाधा-विघ्नों को चूम-चूम,
सह धूप-घाम, पानी-पत्थर,
पांडव आये कुछ और निखर।
सौभाग्य न सब दिन सोता है,
देखें, आगे क्या होता है।
मैत्री की राह बताने को,
सबको सुमार्ग पर लाने को,
दुर्योधन को समझाने को,
भीषण विध्वंस बचाने को,
भगवान हस्तिनापुर आये,
पांडव का संदेशा लाये।
'दो न्याय अगर तो आधा दो,
पर, इसमें भी यदि बाधा हो,
तो दे दो केवल पाँच ग्राम,
रक्खो अपनी धरती तमाम।
हम वहीं खुशी से खायेंगे,
परिजन पर असि न उठायेंगे।
दुर्योधन वह भी दे न सका,
आशीष समाज की ले न सका,
उलटे हरि को बाँधने चला,
जो था असाध्य, साधने चला।

जब नाश मनुज पर छाता है,
पहले विवेक मर जाता है।' [5 अंक]

3(a)(i). कठिनाइयों और संघर्षों को सहन कर पांडवों में किस प्रकार का बदलाव आया ? [1 अंक]

(A) मनोबल टूट गया
(B) व्यक्तित्व निखर गया
(C) हिम्मत टूट गई
(D) मजबूत हो गए

सही उत्तर: (B) व्यक्तित्व निखर गया

हल:

अवधारणा:

- अपठित काव्यांश के उत्तर में शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाकर सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।
- पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ को प्राथमिकता दें और सामान्यतः संभव अर्थ को काव्यांश के स्पष्ट कथन से अलग पहचानें।

चरण 1: काव्यांश का आधार पहचानें काव्यांश में पांडवों के लिए कहा गया है कि वे धूप, धाम, पानी और पत्थर सहकर कुछ और निखरे। यहाँ कष्टों का परिणाम उनका व्यक्तित्व अधिक परिपक्व और प्रभावशाली होना है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) और (C) मनोबल तथा हिम्मत टूटने की बात करते हैं, जो निखरने के विपरीत है। विकल्प (D) मजबूत होने का सामान्य अर्थ देता है, किंतु कविता का विशिष्ट शब्द निखरना है; उसका सबसे सटीक अर्थ विकल्प (B) में है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (B) है : व्यक्तित्व निखर गया।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न से संबंधित पंक्ति रेखांकित करें, फिर उसी के सबसे सटीक अर्थ से विकल्प का मिलान करें।

3(a)(ii). भगवान हस्तिनापुर क्यों आये थे ? [1 अंक]

(A) युद्ध टालने के लिए
(B) सबकी कुशल-क्षेम जानने
(C) पांडवों का संदेश लेकर
(D) दुर्योधन से बात करने

सही उत्तर: (A) युद्ध टालने के लिए

हल:

अवधारणा:

- अपठित काव्यांश के उत्तर में शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाकर सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।
- पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ को प्राथमिकता दें और सामान्यतः संभव अर्थ को काव्यांश के स्पष्ट कथन से अलग पहचानें।

चरण 1: काव्यांश का आधार पहचानें काव्यांश में कृष्ण के आने का उद्देश्य दुर्योधन को समझाना और भीषण विध्वंस बचाना बताया गया है। इसलिए उनके हस्तिनापुर आने का व्यापक लक्ष्य युद्ध टालकर शांति स्थापित करना है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (B) कुशल-क्षेम पूछने का उद्देश्य बताता है, जिसका यहाँ उल्लेख नहीं है। विकल्प (C) संदेश लाने और (D) दुर्योधन से बात करने की प्रक्रिया बताते हैं; ये अंतिम उद्देश्य नहीं हैं। युद्ध रोकने का स्पष्ट आशय विकल्प (A) में मिलता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (A) है : युद्ध टालने के लिए।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न से संबंधित पंक्ति रेखांकित करें, फिर उसी के सबसे सटीक अर्थ से विकल्प का मिलान करें।

3(a)(iii). 'तो दे दो केवल पाँच ग्राम' — पंक्ति में निहित जीवन मूल्य है : [1 अंक]

(A) संतोष

(B) त्याग

(C) प्रेम

(D) करुणा

सही उत्तर: (A) संतोष

हल:

अवधारणा:

- अपठित काव्यांश के उत्तर में शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाकर सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।
- पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ को प्राथमिकता दें और सामान्यतः संभव अर्थ को काव्यांश के स्पष्ट कथन से अलग पहचानें।

चरण 1: काव्यांश का आधार पहचानें पांडव पहले न्यायोचित आधा राज्य माँगते हैं, किंतु विवाद और रक्तपात रोकने के लिए केवल पाँच गाँव स्वीकार करने को तैयार हो जाते हैं। वे उसी में प्रसन्न रहकर जीवन चलाने की बात कहते हैं।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (B) त्याग इस व्यवहार का सहायक पक्ष हो सकता है, पर थोड़े में प्रसन्न रहने का प्रत्यक्ष मूल्य संतोष है। विकल्प (C) प्रेम और (D) करुणा के लिए यह पंक्ति कोई सीधा आधार नहीं देती। इसलिए प्रसंग के सबसे निकट विकल्प (A) है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (A) है : संतोष।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न से संबंधित पंक्ति रेखांकित करें, फिर उसी के सबसे सटीक अर्थ से विकल्प का मिलान करें।

3(a)(iv). 'परिजन पर असि न उठायेंगे' — पंक्ति में प्रयुक्त 'असि' का क्या अर्थ है ? [1 अंक]

(A) तीर-धनुष

(B) गदा

(C) तलवार

(D) भाला

सही उत्तर: (C) तलवार

हल:

अवधारणा:

- अपठित काव्यांश के उत्तर में शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाकर सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।
- पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ को प्राथमिकता दें और सामान्यतः संभव अर्थ को काव्यांश के स्पष्ट कथन से अलग पहचानें।

चरण 1: काव्यांश का आधार पहचानें पंक्ति में पांडव कहते हैं कि वे अपने परिजनों पर असि नहीं उठाएँगे। यहाँ युद्ध और शस्त्र उठाने का प्रसंग है। असि संस्कृतनिष्ठ शब्द है, जिसका प्रचलित अर्थ तलवार है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) तीर-धनुष, (B) गदा और (D) भाला भी शस्त्र हैं, लेकिन वे असि शब्द के अर्थ नहीं हैं। केवल युद्ध का संदर्भ देखकर कोई भी हथियार चुनना उचित नहीं; शब्द का निश्चित अर्थ पहचानने पर विकल्प (C) ही सही ठहरता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है : तलवार।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न से संबंधित पंक्ति रेखांकित करें, फिर उसी के सबसे सटीक अर्थ से विकल्प का मिलान करें।

3(a)(v). विवेक के मर जाने से क्या होता है ? [1 अंक]

(A) मनुष्य का नाश होता है

(B) मनुष्य भ्रमित हो जाता है

(C) ग़लत कार्य करने की प्रेरणा

(D) असामाजिक कार्य की ओर प्रेरित

सही उत्तर: (A) मनुष्य का नाश होता है

हल:

अवधारणा:

- अपठित काव्यांश के उत्तर में शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाकर सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।
- पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ को प्राथमिकता दें और सामान्यत: संभव अर्थ को काव्यांश के स्पष्ट कथन से अलग पहचानें।

चरण 1: काव्यांश का आधार पहचानें काव्यांश की अंतिम पंक्तियों में कहा गया है कि जब नाश मनुष्य पर छाता है, तो पहले उसका विवेक मर जाता है। दुर्योधन का उचित समझौता न स्वीकारना इसी विनाशकारी विवेकहीनता का उदाहरण है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (B) भ्रमित होना, (C) गलत कार्य की प्रेरणा और (D) असामाजिक कार्य की ओर बढ़ना विवेकहीनता से जुड़े सामान्य प्रभाव हो सकते हैं। किंतु प्रश्न काव्यांश पर आधारित है और उसमें परिणाम के रूप में मनुष्य का नाश स्पष्ट कहा गया है। इसलिए विकल्प (A) उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष अत: सही विकल्प (A) है : मनुष्य का नाश होता है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न से संबंधित पंक्ति रेखांकित करें, फिर उसी के सबसे सटीक अर्थ से विकल्प का मिलान करें।

अथवा

3(b). 'मित्रता बड़ा अनमोल रतन,
कब उसे तोल सकता है धन ?
धरती की तो है क्या बिसात ?
आ जाय अगर बैकुंठ हाथ,
उसको भी न्योछावर कर दूँ
कुरुपति के चरणों पर धर दूँ।
सिर लिए स्कंध पर चलता हूँ,
उस दिन के लिए मचलता हूँ,
यदि चले वज्र दुर्योधन पर,
ले लूँ बढ़कर अपने ऊपर।
कटवा दूँ उसके लिए गला,
चाहिए मुझे क्या और भला ?
सम्राट बनेंगे धर्मराज,
या पाएगा कुरुराज ताज,
लड़ना भर मेरा काम रहा,
दुर्योधन का संग्राम रहा
मुझको न कहीं कुछ पाना है,
केवल ऋण मात्र चुकाना है।
कुरुराज्य चाहता मैं कब हूँ ?
साम्राज्य चाहता मैं कब हूँ ?

क्या नहीं आपने भी जाना ?
मुझको न आज तक पहचाना ?
जीवन का मूल्य समझता हूँ,
धन को मैं धूल समझता हूँ।
धनराशि जोगना लक्ष्य नहीं
साम्राज्य भोगना लक्ष्य नहीं' [5 अंक]

3(b)(i). काव्यांश में 'अनमोल रतन' का क्या अर्थ है ? [1 अंक]

(A) जिसका मूल्य बहुत अधिक हो
(B) जिसका मूल्य आँका न जा सके
(C) जिसका मूल्य नापा न जा सके
(D) जिसका मूल्य जाँचा न जा सके

सही उत्तर: (B) जिसका मूल्य आँका न जा सके

हल:

अवधारणा:

- अपठित काव्यांश के उत्तर में शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाकर सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।
- पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ को प्राथमिकता दें और सामान्यतः संभव अर्थ को काव्यांश के स्पष्ट कथन से अलग पहचानें।

चरण 1: काव्यांश का आधार पहचानें काव्यांश में मित्रता को अनमोल रतन कहा गया है। अनमोल का अर्थ केवल महँगा होना नहीं, बल्कि ऐसा मूल्यवान होना है जिसका मूल्य निर्धारित ही न किया जा सके। मित्रता को धन से ऊपर रखा गया है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) में बहुत अधिक मूल्य है, जिसे फिर भी बताया जा सकता है। विकल्प (C) में नापने और (D) में जाँचने की क्रियाएँ हैं; वे मूल्य निर्धारण का सटीक अर्थ नहीं देतीं। जिसका मूल्य आँका न जा सके, यह भाव विकल्प (B) में पूर्ण रूप से व्यक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (B) है : जिसका मूल्य आँका न जा सके।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न से संबंधित पंक्ति रेखांकित करें, फिर उसी के सबसे सटीक अर्थ से विकल्प का मिलान करें।

3(b)(ii). किस पर स्वर्ग न्योछावर करने की बात की गई है ? [1 अंक]

(A) मित्रता पर
(B) धरती पर
(C) धन पर
(D) राज्य पर

सही उत्तर: (A) मित्रता पर

हल:

अवधारणा:

- अपठित काव्यांश के उत्तर में शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाकर सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।
- पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ को प्राथमिकता दें और सामान्यतः संभव अर्थ को काव्यांश के स्पष्ट कथन से अलग पहचानें।

चरण 1: काव्यांश का आधार पहचानें वक्ता पहले मित्रता को अनमोल रतन कहता है और पूछता है कि धन उसे कैसे तौल सकता है। फिर धरती की बिसात नगण्य बताते हुए स्वर्ग भी न्योछावर करने की बात करता है। इस कथन का केंद्र मित्रता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (B) धरती, (C) धन और (D) राज्य वे भौतिक उपलब्धियाँ हैं जिन्हें मित्रता से कम महत्त्व दिया गया है। उन पर स्वर्ग न्योछावर करने का कथन नहीं है। पूर्ववर्ती पंक्तियों को साथ पढ़ने से स्पष्ट होता है कि विकल्प (A) ही सही है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (A) है : मित्रता पर।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न से संबंधित पंक्ति रेखांकित करें, फिर उसी के सबसे सटीक अर्थ से विकल्प का मिलान करें।

3(b)(iii). काव्यांश में वक्ता द्वारा युद्ध में सम्मिलित होने का कारण है : [1 अंक]

(A) साम्राज्य प्राप्ति

(B) कर्तव्यपरायणता

(C) ऋण चुकाना

(D) वीरता-प्रदर्शन

सही उत्तर: (C) ऋण चुकाना

हल:

अवधारणा:

- अपठित काव्यांश के उत्तर में शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाकर सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।
- पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ को प्राथमिकता दें और सामान्यतः संभव अर्थ को काव्यांश के स्पष्ट कथन से अलग पहचानें।

चरण 1: काव्यांश का आधार पहचानें वक्ता स्पष्ट कहता है कि उसे संग्राम से कुछ पाना नहीं है, उसे केवल ऋण चुकाना है। दुर्योधन के प्रति उसका संबंध और उपकार का बोध उसे अपने प्राण संकट में डालकर भी साथ देने को प्रेरित करता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) साम्राज्य प्राप्ति को वक्ता स्वयं अस्वीकार करता है। विकल्प (D) वीरता-प्रदर्शन का कोई उद्देश्य नहीं बताया गया। विकल्प (B) कर्तव्यपरायणता सामान्य गुण है, किंतु प्रश्न के कारण का सीधा और विशिष्ट उत्तर कविता के ऋण चुकाने वाले कथन में है। इसलिए विकल्प (C) चुनेंगे।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है : ऋण चुकाना।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न से संबंधित पंक्ति रेखांकित करें, फिर उसी के सबसे सटीक अर्थ से विकल्प का मिलान करें।

3(b)(iv). 'सिर लिए स्कंध पर चलता हूँ' — पंक्ति में 'स्कंध' का क्या अर्थ है ? [1 अंक]

(A) हथेली

(B) तलवार

(C) कंधा

(D) गला

सही उत्तर: (C) कंधा

हल:

अवधारणा:

- अपठित काव्यांश के उत्तर में शब्दों और उनके प्रसंग को आधार बनाकर सबसे सटीक विकल्प चुनना चाहिए।
- पंक्ति के प्रत्यक्ष अर्थ को प्राथमिकता दें और सामान्यतः संभव अर्थ को काव्यांश के स्पष्ट कथन से अलग पहचानें।

चरण 1: काव्यांश का आधार पहचानें काव्यांश की पंक्ति में वक्ता सिर को स्कंध पर लिए चलने की बात करता है। स्कंध का अर्थ कंधा

है। इस कथन से मित्र के लिए जान जोखिम में डालकर तत्पर रहने का भाव भी व्यक्त होता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें विकल्प (A) हथेली, (B) तलवार और (D) गला अलग-अलग शब्दों के अर्थ हैं; उनमें से कोई स्कंध का पर्याय नहीं है। शरीर के ऊपरी अंगों के संदर्भ के कारण गला आकर्षक लग सकता है, किंतु मानक शब्दार्थ कंधा ही है। अतः विकल्प (C) सही है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है : कंधा।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न से संबंधित पंक्ति रेखांकित करें, फिर उसी के सबसे सटीक अर्थ से विकल्प का मिलान करें।

3(b)(v). धन को धूल समझने के क्या कारण हो सकते हैं ? [1 अंक]

(A) जीवन का अस्थायित्व

(B) अनुपयोगी होना

(C) महत्त्वहीन होना

(D) दूसरा लक्ष्य होना

सही उत्तर: (D) दूसरा लक्ष्य होना

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग, शब्दों और पात्रों के व्यवहार को मिलाकर उत्तर निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनना चाहिए; सामान्य अर्थ और प्रसंगगत आशय का अंतर ध्यान में रखें।

चरण 1: प्रसंग का विश्लेषण कर्ण स्पष्ट कहते हैं कि धनराशि जोड़ना और साम्राज्य भोगना उनका लक्ष्य नहीं है। उनका लक्ष्य दुर्योधन की मित्रता निभाना और उसका ऋण चुकाना है। इसलिए धन उन्हें धूल के समान तुच्छ लगता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच जीवन का अस्थायित्व (A) यहाँ कारण नहीं बताया गया। धन को सामान्य रूप से अनुपयोगी (B) या महत्त्वहीन (C) सिद्ध करना भी कथन का उद्देश्य नहीं है। अपने दूसरे, ऊँचे लक्ष्य के सामने धन की उपेक्षा की गई है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (D) है: दूसरा लक्ष्य होना।

त्वरित सुझाव: उत्तर चुनने से पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को उस पंक्ति से जोड़ें जो उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण देती है।

---

4. यह बृत्तांत दसानन सुनेऊ।
अति विषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ।।
ब्याकुल कुंभकरन पहिं आवा।
बिबिध जतन करि ताहि जगावा।।
जागा निसिचर देखिअ कैसा।
मानहुँ कालु देह धरि बैसा।।
कुंभकरन बूझा कहु भाई।
काहे तव मुख रहे सुखाई।।
कथा कही सब तेहिं अभिमानी।
जेहि प्रकार सीता हरि आनी।। [5 अंक]

4(i). दसानन के बार-बार सिर धुनने का क्या कारण था ? [1 अंक]

(A) सहयोग नहीं मिलना
(B) संकट से नहीं निकलना
(C) वैद्य द्वारा लक्ष्मण का उपचार करना
(D) लक्ष्मण का स्वस्थ हो जाना

सही उत्तर: (D) लक्ष्मण का स्वस्थ हो जाना

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग, शब्दों और पात्रों के व्यवहार को मिलाकर उत्तर निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनना चाहिए; सामान्य अर्थ और प्रसंगगत आशय का अंतर ध्यान में रखें।

चरण 1: प्रसंग का विश्लेषण हनुमान संजीवनी लेकर लौटे और लक्ष्मण स्वस्थ हो गए। इस समाचार से रावण की विजय की आशा को धक्का लगा। इसलिए वह अत्यधिक दुःख से बार-बार सिर धुनने लगा। पद्यांश का प्रारंभ इसी वृत्तांत के सुनने से होता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच सहयोग न मिलने (A) का उल्लेख नहीं है। संकट से नहीं निकलना (B) सामान्य स्थिति है, विशेष समाचार नहीं। वैद्य का उपचार करना (C) प्रक्रिया है; शोक का निर्णायक कारण उसका सफल होना और लक्ष्मण का स्वस्थ हो जाना है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (D) है: लक्ष्मण का स्वस्थ हो जाना।

त्वरित सुझाव: उत्तर चुनने से पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को उस पंक्ति से जोड़ें जो उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण देती है।

4(ii). अत्यधिक शोक से बेचैन होकर रावण किसके पास गया ? [1 अंक]

(A) मेघनाद
(B) विभीषण
(C) कुंभकरण
(D) मंदोदरी

सही उत्तर: (C) कुंभकरण

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग, शब्दों और पात्रों के व्यवहार को मिलाकर उत्तर निर्धारित करना चाहिए।

- विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनना चाहिए; सामान्य अर्थ और प्रसंगगत आशय का अंतर ध्यान में रखें।

चरण 1: प्रसंग का विश्लेषण पंक्ति 'ब्याकुल कुंभकरन पहिं आवा सीधे बताती है कि व्याकुल रावण कुंभकरण के पास पहुँचा। इसके बाद अनेक उपाय करके उसे जगाने का वर्णन भी इसी पहचान को पुष्ट करता है। उत्तर के लिए इस स्पष्ट क्रिया और पात्र को साथ पढ़ना चाहिए।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच मेघनाद (A), विभीषण (B) और मंदोदरी (D) के पास जाने का वर्णन इन पंक्तियों में नहीं है। केवल कुंभकरण का नाम आने और उसे जगाए जाने का उल्लेख है; इसलिए अन्य तीनों विकल्प प्रसंग से समर्थित नहीं होते।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है: कुंभकरण।

त्वरित सुझाव: उत्तर चुनने से पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को उस पंक्ति से जोड़ें जो उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण देती है।

4(iii). कुंभकरण को असमय जगाने के पीछे रावण की क्या मनोदशा रही होगी ? [1 अंक]

(A) कुंभकरण को स्वयं से श्रेष्ठ मानना

(B) कुंभकरण से दिल की बात करना

(C) कुंभकरण को युद्ध में भेजना

(D) कुंभकरण की शक्ति पर भरोसा

सही उत्तर: (D) कुंभकरण की शक्ति पर भरोसा

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग, शब्दों और पात्रों के व्यवहार को मिलाकर उत्तर निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनना चाहिए; सामान्य अर्थ और प्रसंगगत आशय का अंतर ध्यान में रखें।

चरण 1: प्रसंग का विश्लेषण रावण संकट और शोक से व्याकुल होकर सोए हुए कुंभकरण को अनेक प्रयत्नों से जगाता है। उसका यह व्यवहार बताता है कि उसे कुंभकरण की असाधारण शक्ति पर विश्वास था और संकट में उससे सहायता मिलने की आशा थी।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच स्वयं से श्रेष्ठ मानना (A) पद्यांश नहीं कहता। केवल दिल की बात करना (B) जगाने की व्याकुलता को पूरा नहीं समझाता। युद्ध में भेजना (C) आगे की योजना हो सकती है, किंतु प्रश्न मनोदशा पूछता है; उसका आधार शक्ति पर भरोसा है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (D) है: कुंभकरण की शक्ति पर भरोसा।

त्वरित सुझाव: उत्तर चुनने से पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को उस पंक्ति से जोड़ें जो उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण देती है।

4(iv). 'जागा निसिचर देखिअ कैसा' पंक्ति में 'निसिचर' से किसे संबोधित किया गया है ? [1 अंक]

(A) रावण को

(B) कुंभकरण को

(C) राक्षस को

(D) रात में चलने वाले को

सही उत्तर: (B) कुंभकरण को

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग, शब्दों और पात्रों के व्यवहार को मिलाकर उत्तर निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनना चाहिए; सामान्य अर्थ और प्रसंगगत आशय का अंतर ध्यान में रखें।

चरण 1: प्रसंग का विश्लेषण रावण कुंभकरण के पास आया और उसे जगाया। ठीक इसके बाद 'जागा निसिचर देखिअ कैसा आता है। इसलिए यहाँ जागने वाला निशाचर कुंभकरण है। अगली पंक्ति में उसके विकराल रूप की काल से तुलना भी की गई है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच रावण (A) जगाने वाला है, जागने वाला नहीं। राक्षस (C) शब्द का सामान्य वर्गगत अर्थ बताता है, यहाँ उल्लिखित विशिष्ट व्यक्ति नहीं। रात में चलने वाला (D) व्युत्पत्तिगत अर्थ है; प्रश्न इस प्रसंग में संबोधित पात्र पूछता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (B) है: कुंभकरण को।

त्वरित सुझाव: उत्तर चुनने से पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को उस पंक्ति से जोड़ें जो उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण देती है।

4(v). कुंभकरण ने रावण से क्या पूछा ? [1 अंक]

(A) सीता हरण का कारण

(B) अपने पास आने का कारण

(C) दुखी होने का कारण

(D) स्वयं को जगाने का कारण

सही उत्तर: (C) दुखी होने का कारण

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग, शब्दों और पात्रों के व्यवहार को मिलाकर उत्तर निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनना चाहिए; सामान्य अर्थ और प्रसंगगत आशय का अंतर ध्यान में रखें।

चरण 1: प्रसंग का विश्लेषण कुंभकरण ने जागकर रावण का सूखा हुआ चेहरा देखा और पूछा, 'काहे तव मुख रहे सुखाई। चेहरे की यह दशा दुःख और चिंता की सूचक है। इसलिए उसका प्रश्न रावण के दुखी होने का कारण जानने के लिए था।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच सीता हरण का कारण (A) रावण की आगे कही कथा से जुड़ा है, पूछे गए प्रश्न से नहीं। अपने पास आने का कारण (B) और जगाने का कारण (D) अनुमान हैं। वास्तविक पंक्ति में रावण के मुख की उदासी का कारण पूछा गया है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है: दुखी होने का कारण।

त्वरित सुझाव: उत्तर चुनने से पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को उस पंक्ति से जोड़ें जो उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण देती है।

---

5. दिन भर के कार्य-भार से छुट्टी पाकर जब मैं कोई लेख समाप्त करने या भाव को छंदबद्ध करने बैठती हूँ, तब छात्रावास की रोशनी बुझ चुकी है, मेरी हिरनी सोना तख्त के पैताने फर्श पर बैठ कर पागुर करना बंद कर देती है, कुत्ता बसंत छोटी मचिया पर पंजों में मुख रख कर आँखें मूँद लेता है और बिल्ली गोधूलि मेरे तकिए पर सिकुड़ कर सो रहती है।

पर मुझे रात की निस्तब्धता में अकेली न छोड़ने के विचार से कोने में दरी के आसन पर बैठकर बिजली की चकाचौंध से आँखें मिच-मिचाती हुई भक्तिन, प्रशांत भाव से जागरण करती है। वह ऊँघती भी नहीं, क्योंकि मेरे सिर उठाते ही उसकी धुँधली दृष्टि मेरी आँखों का अनुसरण करने लगती है। [5 अंक]

5(i). 'भाव को छंदबद्ध करने बैठती हूँ' — से किस प्रकार की ध्वनि निकलती है ? [1 अंक]

(A) डायरी लिखने की

(B) कविता लिखने की

(C) लेख लिखने की

(D) अनुभव लिखने की

सही उत्तर: (B) कविता लिखने की

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग, शब्दों और पात्रों के व्यवहार को मिलाकर उत्तर निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनना चाहिए; सामान्य अर्थ और प्रसंगगत आशय का अंतर ध्यान में रखें।

चरण 1: प्रसंग का विश्लेषण भाव को छंदबद्ध करने का अर्थ भावों को लय और काव्यात्मक रूप में व्यक्त करना है। यह कविता की रचना की ओर संकेत करता है। लेखिका ने लेख समाप्त करने और भाव को छंदबद्ध करने को अलग-अलग रचनात्मक कार्यों के रूप में रखा है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच डायरी (A) सामान्यतः तिथि के साथ निजी अनुभवों का लेखन है। लेख (C) गद्यरचना है और उसका अलग उल्लेख भी है। अनुभव लिखना (D) बहुत व्यापक कथन है, जबकि छंदबद्ध विशेष रूप से कविता लिखने की पहचान देता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (B) है: कविता लिखने की।

त्वरित सुझाव: उत्तर चुनने से पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को उस पंक्ति से जोड़ें जो उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण देती है।

5(ii). 'तब छात्रावास की रोशनी बुझ चुकी है' — पंक्ति का आशय है : [1 अंक]

(A) बिजली गुल होना

(B) रात अधिक होना

(C) अँधेरा होना

(D) छात्रावास में बिजली का न होना

सही उत्तर: (B) रात अधिक होना

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग, शब्दों और पात्रों के व्यवहार को मिलाकर उत्तर निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनना चाहिए; सामान्य अर्थ और प्रसंगगत आशय का अंतर ध्यान में रखें।

चरण 1: प्रसंग का विश्लेषण छात्रावास की रोशनी बुझ चुकी है और हिरनी, कुत्ता तथा बिल्ली भी विश्राम कर रहे हैं। इन संकेतों से पता चलता है कि रात काफी हो चुकी है और सब सो गए हैं। लेखिका इसी शांत समय में अपना लेखन कर रही हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच बिजली गुल होने (A) का आशय गलत है, क्योंकि आगे बिजली की चकाचौंध का उल्लेख है। केवल

अँधेरा होना (C) समयगत आशय को पूरा नहीं बताता। छात्रावास में बिजली न होना (D) भी आगे के वर्णन से मेल नहीं खाता।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (B) है: रात अधिक होना।

त्वरित सुझाव: उत्तर चुनने से पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को उस पंक्ति से जोड़ें जो उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण देती है।

5(iii). गद्यांश के अनुसार लेखिका का जानवरों के प्रति किस प्रकार का भाव अभिव्यक्त हो रहा है ? [1 अंक]

(A) प्रेम का

(B) वात्सल्य का

(C) करुणा का

(D) दया का

सही उत्तर: (A) प्रेम का

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग, शब्दों और पात्रों के व्यवहार को मिलाकर उत्तर निर्धारित करना चाहिए।
- विकल्पों में सबसे सटीक अर्थ चुनना चाहिए; सामान्य अर्थ और प्रसंगगत आशय का अंतर ध्यान में रखें।

चरण 1: प्रसंग का विश्लेषण लेखिका हिरनी सोना, कुत्ते बसंत और बिल्ली गोधूलि को नाम से याद करती हैं। वे उनके सोने की जगह और व्यवहार का स्नेहपूर्वक वर्णन करती हैं। तकिए और तख्त के पास उनका रहना उनके प्रति लेखिका की आत्मीयता और प्रेम को प्रकट करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच वात्सल्य (B) में माता-पिता जैसी ममता और पालन का विशिष्ट भाव होता है, जो इस अंश में स्पष्ट नहीं है। करुणा (C) तथा दया (D) किसी पीड़ा या असहायता से जुड़ती हैं; यहाँ ऐसी दशा नहीं है। इसलिए आत्मीय संबंध का सबसे प्रत्यक्ष और समर्थित नाम प्रेम है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (A) है: प्रेम का।

त्वरित सुझाव: उत्तर चुनने से पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को उस पंक्ति से जोड़ें जो उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण देती है।

5(iv). रात अधिक हो जाने के बाद भी भक्तिन जागने का प्रयास क्यों करती रहती थी ? [1 अंक]

(A) जानवरों तथा लेखिका की देख-रेख के लिए

(B) रोशनी में नींद नहीं आने से

(C) लेखिका की जरूरत को पूरा करने के लिए

(D) लेखिका को अकेली न छोड़ने के विचार से

सही उत्तर: (D) लेखिका को अकेली न छोड़ने के विचार से

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग और प्रश्न में पूछे गए कारण या भाव का सटीक संबंध पहचानना आवश्यक है।
- सही विकल्प का चयन पाठ के प्रमाण से होता है; अन्य विकल्पों की सीमाएँ भी जाँचनी चाहिए।

चरण 1: साथ निभाने की निष्ठा गद्यांश में स्पष्ट है कि भक्तिन रात की निस्तब्धता में लेखिका को अकेली नहीं छोड़ना चाहती। सभी पशु सो चुके हैं, फिर भी वह दरी पर बैठी जागती रहती है।

चरण 2: कारण और दूसरे विकल्प (A) में पशुओं की देखभाल भी जोड़ी गई है, जिसका उल्लेख कारण के रूप में नहीं है। (B) में रोशनी को अनिद्रा का कारण बनाया गया है, जबकि वह केवल आँखें मिचमिचाती है। (C) सामान्य सेवा का अनुमान है; गद्यांश में जागने का स्पष्ट उद्देश्य अकेलापन दूर करना है।

चरण 3: निष्कर्ष लेखिका को अकेली न छोड़ने के विचार से; सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: कारण पूछे जाने पर गद्यांश में प्रयुक्त उद्देश्यसूचक वाक्यांश को आधार बनाइए।

5(v). गद्यांश के अनुसार भक्तिन का लेखिका के प्रति किस प्रकार का भाव अभिव्यक्त होता है ? [1 अंक]

(A) सहयोग का भाव

(B) दास्य भाव

(C) स्वामी-भक्ति

(D) समर्पण का भाव

सही उत्तर: (D) समर्पण का भाव

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग और प्रश्न में पूछे गए कारण या भाव का सटीक संबंध पहचानना आवश्यक है।
- सही विकल्प का चयन पाठ के प्रमाण से होता है; अन्य विकल्पों की सीमाएँ भी जाँचनी चाहिए।

चरण 1: आत्मीय समर्पण लेखिका देर रात तक काम करती है तो भक्तिन आराम करने के बजाय उसके पास जागती है। लेखिका सिर उठाती है तो भक्तिन की दृष्टि उसकी आँखों का अनुसरण करती है। यह उसके सुख और साथ के प्रति गहरा समर्पण दर्शाता है।

चरण 2: भाव का सही चुनाव (A) सहयोग इस व्यवहार का एक पक्ष है, पर पूरा भाव नहीं। (B) दास्य और (C) स्वामी-भक्ति में मालिक तथा सेवक का संबंध प्रधान है; इस प्रसंग में आत्मीयता और स्वेच्छा से साथ निभाना प्रमुख है। इसलिए समर्पण सबसे उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष समर्पण का भाव; सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: व्यवहार का सामान्य नाम चुनने से पहले देखिए कि उसमें कितनी आत्मीयता और निष्ठा है।

6(i). जब यशोधर पंत ने अपने आखिरी फ़ाइल का फीता बाँधा था तब घड़ी में क्या समय हो रहा था ? [1 अंक]

(A) पाँच बजकर चालीस मिनट

(B) पाँच बजकर तीस मिनट

(C) पाँच बजकर पच्चीस मिनट

(D) पाँच बज रहे थे

सही उत्तर: (C) पाँच बजकर पच्चीस मिनट

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग और प्रश्न में पूछे गए कारण या भाव का सटीक संबंध पहचानना आवश्यक है।
- सही विकल्प का चयन पाठ के प्रमाण से होता है; अन्य विकल्पों की सीमाएँ भी जाँचनी चाहिए।

चरण 1: कहानी का समयबोध कहानी के आरंभ में आखिरी फ़ाइल का फीता बाँधने पर यशोधर पंत की निगाह दफ्तर की दीवार घड़ी

पर जाती है। उसमें पाँच बजकर पच्चीस मिनट हो रहे थे। उनकी कलाई घड़ी में साढ़े पाँच बजे थे। प्रश्न फ़ाइल बाँधने वाले प्रसंग में दीवार घड़ी के समय की पहचान कराता है।

चरण 2: दिए समयों का मिलान (C) दीवार घड़ी में बताए समय से मेल खाता है। (B) पाँच बजकर तीस मिनट उनकी अपनी कलाई घड़ी का समय है, इसलिए यहाँ वह भ्रामक विकल्प है। (A) पाँच बजकर चालीस मिनट और (D) ठीक पाँच बजे इस घटना में दीवार घड़ी का समय नहीं हैं। दोनों घड़ियों का अंतर ध्यान में रखना आवश्यक है।

चरण 3: निष्कर्ष पाँच बजकर पच्चीस मिनट; सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: दफ्तर की दीवार घड़ी और यशोधर पंत की कलाई घड़ी के समय में पाँच मिनट का अंतर याद रखिए।

6(ii). 'जूझ' कहानी के लेखक का मन कहाँ जाने के लिए तड़पता था ? [1 अंक]

(A) सिनेमा जाने

(B) खेलने जाने

(C) खेत में जाने

(D) पाठशाला जाने

सही उत्तर: (D) पाठशाला जाने

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग और प्रश्न में पूछे गए कारण या भाव का सटीक संबंध पहचानना आवश्यक है।
- सही विकल्प का चयन पाठ के प्रमाण से होता है; अन्य विकल्पों की सीमाएँ भी जाँचनी चाहिए।

चरण 1: शिक्षा की उत्कट इच्छा आनंद यादव के आत्मकथात्मक पाठ में लेखक खेती के काम में लगा होने पर भी पढ़ाई जारी रखना चाहता है। उसका मन पाठशाला के वातावरण और शिक्षा के अवसर के लिए तड़पता है। यही पढ़ने की लालसा उसके संघर्ष को दिशा देती है।

चरण 2: विकल्पों की जाँच (A) सिनेमा और (B) खेल उसकी मूल आकांक्षा नहीं हैं। (C) खेत में जाने की इच्छा भी नहीं, क्योंकि खेती का काम ही उसकी पढ़ाई में बाधक बनता है। पाठ में आगे पढ़ने और विद्यालय लौटने की बेचैनी प्रमुख है, इसलिए (D) उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष पाठशाला जाने के लिए; सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: जूझ के प्रसंगों को लेखक की पढ़ने की इच्छा और उस इच्छा के सामने आने वाली बाधाओं से जोड़िए।

6(iii). 'मुअनजो-दड़ो' और 'हड़प्पा' को सिंधु घाटी सभ्यता के परिपक्व दौर का शहर क्यों कहा गया है ? [1 अंक]

(A) सबसे पुराने होने से

(B) पूर्ण विकसित होने से

(C) सबसे उत्कृष्ट होने से

(D) बहुत बड़ा होने से

सही उत्तर: (B) पूर्ण विकसित होने से

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग और प्रश्न में पूछे गए कारण या भाव का सटीक संबंध पहचानना आवश्यक है।
- सही विकल्प का चयन पाठ के प्रमाण से होता है; अन्य विकल्पों की सीमाएँ भी जाँचनी चाहिए।

चरण 1: सभ्यता की परिपक्व अवस्था परिपक्व दौर का आशय सभ्यता की विकसित अवस्था से है। मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा में योजनाबद्ध नगर, निर्माण और नागरिक सुविधाओं का विकसित रूप मिलता है। इसलिए इन्हें सिंधु घाटी सभ्यता के परिपक्व दौर के शहर कहा गया है।

चरण 2: अन्य अर्थों से भेद (A) सबसे पुराना होना कालक्रम की बात है, विकास की नहीं। (C) सबसे उत्कृष्ट कहना तुलनात्मक प्रशंसा है और (D) बहुत बड़ा होना केवल आकार बताता है। परिपक्व शब्द का सटीक अर्थ पूर्ण विकसित होना है; इसलिए (B) सही है।

चरण 3: निष्कर्ष पूर्ण विकसित होने से; सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: परिपक्व शब्द का अर्थ विकास की पूर्ण अवस्था है; उसे केवल प्राचीनता या आकार से न जोड़ें।

6(iv). 'मुअनजो-दड़ो' को छोटे-मोटे टीलों पर आबाद क्यों किया गया था ? [1 अंक]

(A) पहाड़ी इलाका होने से

(B) बाढ़ से बचने के लिए

(C) दूर से दिखने के लिए

(D) बड़ा शहर होने से

सही उत्तर: (B) बाढ़ से बचने के लिए

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग और प्रश्न में पूछे गए कारण या भाव का सटीक संबंध पहचानना आवश्यक है।
- सही विकल्प का चयन पाठ के प्रमाण से होता है; अन्य विकल्पों की सीमाएँ भी जाँचनी चाहिए।

चरण 1: बाढ़ से सुरक्षा की नगर योजना मुअनजो-दड़ो सिंधु नदी की सभ्यता का नगर था। नदी की बाढ़ का पानी बसावट को हानि पहुँचा सकता था। छोटे-मोटे ऊँचे टीलों पर आबाद करने का उद्देश्य बस्तियों को बाढ़ के पानी से बचाना था। यह नगर निर्माण में सुरक्षा का उपाय था।

चरण 2: दूसरे विकल्प क्यों नहीं (A) पहाड़ी इलाका होना इस बसावट का कारण नहीं बताया गया है। (C) दूर से दिखाई देना नगर की सुरक्षा का उद्देश्य नहीं है। (D) बड़ा शहर होना ऊँचाई चुनने का कारण स्पष्ट नहीं करता। बाढ़ से रक्षा सीधे इस व्यवस्था का कारण बताती है।

चरण 3: निष्कर्ष बाढ़ से बचने के लिए; सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: नगर की भौगोलिक स्थिति को याद रखें: नदी के पास ऊँची बसावट जल से सुरक्षा देती है।

6(ix). वसंत पाटील का कक्षा में सम्मान क्यों था ? [1 अंक]

(A) वह मॉनीटर था

(B) कक्षा में आगे बैठता था

(C) पढ़ने में होशियार एवं शांत था

(D) मास्टरों का लाड़ला था

सही उत्तर: (C) पढ़ने में होशियार एवं शांत था

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग और प्रश्न में पूछे गए कारण या भाव का सटीक संबंध पहचानना आवश्यक है।
- सही विकल्प का चयन पाठ के प्रमाण से होता है; अन्य विकल्पों की सीमाएँ भी जाँचनी चाहिए।

चरण 1: अध्ययनशीलता और व्यक्तित्व वसंत पाटील पढ़ाई में होशियार और स्वभाव से शांत था। वह पढ़ने में ध्यान लगाता और अपने काम को व्यवस्थित ढंग से करता था। इन्हीं गुणों के कारण कक्षा में उसे सम्मान मिलता था और लेखक भी उसकी पढ़ाई की आदतों से प्रभावित हुआ।

चरण 2: पद और गुण का अंतर (A) मॉनीटर होना पद बताता है, सम्मान का मूल गुण नहीं। (B) आगे बैठना अपने आप में योग्यता का प्रमाण नहीं है। (D) मास्टरों का लाड़ला होना भी उसके प्रति सम्मान के वास्तविक आधार को नहीं बताता। (C) में बताए गुण पाठ के चरित्रचित्रण से मेल खाते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष पढ़ने में होशियार एवं शांत होने के कारण; सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: चरित्र के सम्मान का कारण पूछे जाने पर उसके गुण पहचानिए, केवल पद या बैठने की जगह नहीं।

6(v). 'जूझ' कहानी में लेखक सुबह-शाम खेत पर, ढोर चराते आदि समय भी कविताओं में क्यों रमे रहते थे ? [1 अंक]

(A) अपने शिक्षक से प्रभावित होने से

(B) खेत पर अकेले होने से

(C) कविता याद करने के लिए

(D) कविताओं में मन रमने से

सही उत्तर: (A) अपने शिक्षक से प्रभावित होने से

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग और प्रश्न में पूछे गए कारण या भाव का सटीक संबंध पहचानना आवश्यक है।
- सही विकल्प का चयन पाठ के प्रमाण से होता है; अन्य विकल्पों की सीमाएँ भी जाँचनी चाहिए।

चरण 1: शिक्षक से मिली काव्य प्रेरणा सौंदलगेकर मास्टर कविता को लय, भाव और अभिनय के साथ पढ़ाते थे। उनके काव्यपाठ ने लेखक के मन में कविताओं के प्रति गहरी रुचि जगाई। इसलिए वह खेत पर काम करते और ढोर चराते समय भी उन कविताओं को गुनगुनाने और उनमें रमने लगा।

चरण 2: कारण का चुनाव (A) शिक्षक का प्रभाव इस रुचि के विकसित होने का मूल कारण है। (B) अकेलापन पर्याप्त कारण नहीं है और (C) केवल याद करने का उद्देश्य इस आनंद को सीमित करता है। (D) मन रमने की स्थिति दोहराता है, जबकि प्रश्न उस स्थिति की प्रेरणा पूछता है।

चरण 3: निष्कर्ष अपने शिक्षक से प्रभावित होने से; सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: प्रेरणा और परिणाम अलग पहचानिए: शिक्षक का प्रभाव कारण है, कविताओं में रमना उसका परिणाम है।

6(vi). 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मूल संवेदना हो सकती है : [1 अंक]

(A) मानवीय मूल्यों का संकट

(B) पीढ़ी का अंतराल

(C) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

(D) पारिवारिक असहमति

सही उत्तर: (B) पीढ़ी का अंतराल

हल:

अवधारणा:

- पाठ के प्रसंग और प्रश्न में पूछे गए कारण या भाव का सटीक संबंध पहचानना आवश्यक है।
- सही विकल्प का चयन पाठ के प्रमाण से होता है; अन्य विकल्पों की सीमाएँ भी जाँचनी चाहिए।

चरण 1: पीढ़ियों के जीवनमूल्यों का अंतर कहानी में यशोधर पंत की पुरानी जीवनदृष्टि और उनके बच्चों की आधुनिक सोच में दूरी दिखाई देती है। रहन-सहन, उत्सव और व्यवहार के विषय में उनके विचार परिवार की नई पीढ़ी से मेल नहीं खाते। यही पीढ़ियों के बीच अंतर कहानी की केंद्रीय संवेदना बनता है।

चरण 2: मुख्य और सहायक पक्ष (A) मूल्यों का संकट और (C) पाश्चात्य प्रभाव कहानी के कुछ पक्ष समझा सकते हैं। (D) पारिवारिक असहमति उस अंतर का परिणाम है। इन सबको जोड़ने वाला मुख्य आधार पुरानी और नई पीढ़ी की सोच का अंतर है; इसलिए (B) सबसे उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष पीढ़ी का अंतराल; सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: मूल संवेदना चुनते समय ऐसा केंद्रीय विचार चुनिए जो कहानी के अनेक प्रसंगों को एक साथ समझाए।

6(vii). 'जब चारों ओर कोल्हू चलने लगते तो बाज़ार में गुड़ की बहुतायत हो जाती और भाव नीचे उतर आते' — पंक्ति से यह पता चलता है कि : [1 अंक]

(A) कोल्हू अधिक चलने पर गुड़ अधिक बनता है

(B) उत्पादन अधिक होने से भाव नीचे जाता है

(C) गुड़ अधिक हो जाने पर माँग कम होती है

(D) भाव पर गुड़ का उत्पादन निर्भर रहता है

सही उत्तर: (B) उत्पादन अधिक होने से भाव नीचे जाता है

हल:

अवधारणा:

- कथन का आशय समझने के लिए उसके कारण और परिणाम का संबंध पहचानना चाहिए।
- यहाँ गुड़ की बहुतायत कारण है और भाव नीचे आना उसका परिणाम है।

चरण 1: कथन का संबंध समझें चारों ओर कोल्हू चलने पर बाज़ार में गुड़ अधिक आने लगता है। उपलब्ध गुड़ की मात्रा बढ़ने के साथ उसके भाव नीचे उतरते हैं। इसलिए पूरी पंक्ति उत्पादन बढ़ने और मूल्य घटने के बीच संबंध बताती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच (A) केवल अधिक गुड़ बनने की बात कहता है; उसमें भाव गिरने वाला मुख्य परिणाम नहीं आता। (C) माँग घटने की बात जोड़ता है, जबकि पंक्ति में माँग घटने का उल्लेख नहीं है। (D) निर्भरता उलट देता है; यहाँ उत्पादन की अधिकता से भाव घटते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (B) है : उत्पादन अधिक होने से भाव नीचे जाता है।

त्वरित सुझाव: ऐसे कथन में केवल पहली घटना नहीं, उससे निकलने वाले मुख्य परिणाम को भी विकल्प से मिलाएँ।

6(viii). 'मुअनजो-दड़ो' के बारे में धारणा है कि 'अपने दौर में वह सिंधु घाटी की सभ्यता का केन्द्र रहा होगा' — पंक्ति में 'केंद्र' से क्या अभिप्राय है ? [1 अंक]

(A) प्रमुख गाँव

(B) राजधानी

(C) व्यवसायिक-स्थल

(D) शिक्षा-स्थल

सही उत्तर: (B) राजधानी

हल:

अवधारणा:

- शब्द का अर्थ उसके वाक्य और ऐतिहासिक प्रसंग के अनुसार चुना जाता है।
- सभ्यता का केंद्र उस प्रमुख नगर का बोध कराता है जहाँ उसकी मुख्य गतिविधियाँ केंद्रित रही हों।

चरण 1: केंद्र का प्रसंग समझें मुअनजो-दड़ो को सिंधु घाटी की सभ्यता का केंद्र कहने में उसकी प्रमुख स्थिति का संकेत है। दिए गए विकल्पों में राजधानी इसी केंद्रीय और महत्वपूर्ण नगर के अर्थ के सबसे निकट है। वाक्य में रही होगी जैसा अनुमान है; उत्तर उसी कथित धारणा का अर्थ बताता है।

चरण 2: विकल्पों का अंतर पहचानें (A) प्रमुख गाँव कहने से इस विकसित नगर की केंद्रीय स्थिति स्पष्ट नहीं होती। (C) व्यावसायिक-स्थल केवल व्यापार तक अर्थ सीमित करता है। (D) शिक्षा-स्थल शिक्षा की विशेष भूमिका जोड़ता है, जो पंक्ति में नहीं कही गई। इसलिए ये विकल्प पूरे संदर्भ का अर्थ नहीं देते।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (B) है : राजधानी।

त्वरित सुझाव: संदर्भगत शब्दार्थ में वही विकल्प चुनें जो पूरे वाक्य का व्यापक आशय व्यक्त करे।

6(x). 'ड्रेसिंग गाउन' पहनते हुए यशोधर बाबू की आँखों में नमी क्यों आ गई थी ? [1 अंक]

(A) भूषण के व्यवहार के कारण

(B) किशनदा के याद आने के कारण

(C) केवल (a)

(D) (a) और (b) दोनों

सही उत्तर: (D) (a) और (b) दोनों

हल:

अवधारणा:

- यशोधर बाबू की संवेदना में बदलते पारिवारिक संबंध और किशनदा की स्मृति दोनों जुड़े हैं।
- पात्र की भावुकता का कारण उसके तत्काल अनुभव और उससे जुड़ी स्मृति को साथ रखकर समझना चाहिए।

चरण 1: भूषण के व्यवहार का प्रभाव भूषण ने पिता को ड्रेसिंग गाउन दिया और सुबह दूध लेने जाते समय उसे पहनने की बात कही। यशोधर बाबू चाहते थे कि बेटा उनसे दूध लाने का काम स्वयं सँभाल लेने की बात कहता। उपहार में स्नेह होने पर भी उन्हें अपने प्रति अपेक्षित आत्मीय देखभाल की कमी महसूस हुई।

चरण 2: किशनदा की स्मृति और विकल्प इस भावुक क्षण में किशनदा की याद भी उनके मन में आती है। उनके अकेलेपन और उपेक्षित अंत की स्मृति यशोधर बाबू की संवेदना को गहरा करती है। इसलिए केवल भूषण का व्यवहार बताने वाले (A) और (C) अधूरे हैं। केवल किशनदा की याद वाला (B) भी तत्काल पारिवारिक कारण को छोड़ देता है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (D) है : भूषण का व्यवहार और किशनदा की स्मृति, दोनों उनकी भावुकता के कारण थे।

त्वरित सुझाव: पात्र की आँखों में नमी जैसे प्रश्नों में तत्काल घटना के साथ जागी पुरानी स्मृति भी देखें।

7(क). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :
चौराहों पर खिलौने बेचते बच्चे [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में दृश्य, अनुभव और संवेदना को सुसंगत ढंग से प्रस्तुत किया जाता है।
- बाल श्रम के दृश्य में खिलौनों की खुशी और उन्हें बेचते बच्चे के वंचित बचपन का विरोध प्रभावी आधार है।

चरण 1: प्रारूप और विषयवस्तु की योजना उपयुक्त शीर्षक के बाद चौराहे का छोटा दृश्य प्रस्तुत करें। फिर बच्चे की स्थिति, उसके छूटते बचपन और समाज की जिम्मेदारी को जोड़ें। भाषा चित्रात्मक तथा संवेदनशील रहे। विषय को नारे तक सीमित करने के बजाय बच्चे की गरिमा, शिक्षा और अवसर की आवश्यकता सामने लाएँ।

चरण 2: दृश्य और संवेदना को जोड़ें लेख का केंद्र बच्चे की विवशता है। कार में बैठे व्यक्ति और सड़क पर खड़े बच्चे के अनुभवों का अंतर दृश्य को मार्मिक बनाता है। गुब्बारों के रंग तथा धूल और धुएँ का उल्लेख इसी अंतर को उभारता है। बच्चे को केवल असहाय बताने के बजाय उसके अधिकारों और भविष्य की बात करनी चाहिए। अंत की कामना आरंभ के खिलौनों से जुड़ती है, जिससे पूरा लेख एक सूत्र में बँधता है। शब्दसीमा बनाए रखने के लिए एक ही दृश्य चुनें और अनावश्यक आँकड़ों या लंबी भूमिका से बचें।

चरण 3: पूर्ण रचनात्मक लेख **चौराहों पर खिलौने बेचते बच्चे**

लाल बत्ती होते ही एक बच्चा रंगीन गुब्बारे और खिलौने लेकर हमारी कार के पास आ गया। उसके हाथों में बचपन था, पर आँखों में रोज़ी की चिंता। जिन खिलौनों से उसे खेलना चाहिए था, उन्हीं की कीमत बताते हुए वह बड़ा हो रहा था। धूप, धुआँ और गाड़ियों का शोर उसके विद्यालय की घंटी बन गए थे। हरी बत्ती जलते ही हम आगे बढ़ गए, लेकिन उसका चेहरा मन में ठहर गया। क्या केवल एक खिलौना खरीद लेना हमारी जिम्मेदारी पूरी कर देता है? इन बच्चों को दया से अधिक शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान चाहिए। परिवारों को सहारा और बच्चों को विद्यालय तक पहुँचाने का प्रयास ही उनके जीवन में असली रंग भर सकता है। हर बच्चा खिलौने बेचे नहीं, उनसे खेले।

चरण 4: निष्कर्ष रचनात्मक लेख चौराहे के दृश्य से शुरू होकर बाल श्रम, शिक्षा और गरिमापूर्ण बचपन की आवश्यकता को उभारता है।

त्वरित सुझाव: लगभग 120 शब्दों के लेख में एक दृश्य, एक केंद्रीय संवेदना और उससे जुड़ा प्रभावी अंत रखें।

7(ख). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :
मेले में कुश्ती प्रतियोगिता [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में दृश्य, ध्वनि और भावनाओं के सहारे किसी अनुभव को सजीव बनाया जाता है। मेले की कुश्ती का वर्णन करते समय अखाड़ा, पहलवान, दर्शक और प्रतियोगिता का वातावरण प्रमुख हैं।
- लगभग 120 शब्दों के लेख में आकर्षक आरंभ, घटनाओं का क्रम और सार्थक अंत होना चाहिए। भाषा चित्रात्मक हो, किंतु अनावश्यक विस्तार से मूल विषय न छूटे।

चरण 1: स्वरूप और दृष्टिकोण तय करें विषय को शीर्षक बनाकर एक दर्शक की दृष्टि से लेख लिखा जा सकता है। आरंभ मेले की चहल-पहल से करें और फिर पाठक का ध्यान कुश्ती के अखाड़े की ओर ले जाएँ। प्रतियोगिता को समाचार की सूखी सूचना बनाने के बजाय उससे जुड़ा उत्साह और अनुभव व्यक्त करें।

चरण 2: विषयवस्तु का क्रम बनाएँ पहले अखाड़े और भीड़ का दृश्य, फिर पहलवानों का अभिवादन और दाँव-पेंच तथा अंत में परिणाम प्रस्तुत करें। मिट्टी की सुगंध, ढोल की आवाज और दर्शकों की तालियाँ वर्णन को सजीव बनाएँगी। जीत-हार के साथ खेलभावना का उल्लेख लेख को अर्थपूर्ण निष्कर्ष देगा। काल और कथन-शैली में एकरूपता रखें।

चरण 3: पूर्ण रचनात्मक लेख **मेले में कुश्ती प्रतियोगिता**

गाँव के वार्षिक मेले में आज अलग ही रौनक थी। झूलों और मिठाइयों की दुकानों से आगे बढ़ते ही ढोल की थाप सुनाई दी। मिट्टी के अखाड़े के चारों ओर दर्शकों का घेरा लगा था। दो पहलवानों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और मुकाबला शुरू हुआ। कभी एक का पलड़ा भारी होता, कभी दूसरा शानदार दाँव से बच निकलता। भीड़ की तालियों और उत्साहपूर्ण पुकारों से वातावरण गूँज उठा। बच्चों की आँखों में कौतूहल था और बुजुर्ग हर दाँव पर अपनी राय दे रहे थे। अंततः एक पहलवान ने प्रतिद्वंद्वी को चित कर दिया। विजेता ने झुककर उसका हाथ थामा और उठाया। दोनों को गले मिलते देखकर सबसे अधिक तालियाँ बजीं। लगा, असली जीत शक्ति के साथ विनम्रता और खेलभावना की भी थी।

चरण 4: निष्कर्ष लेख में मेले की कुश्ती का क्रमबद्ध, सजीव चित्रण तथा परस्पर सम्मान का संदेश प्रस्तुत हुआ है।

त्वरित सुझाव: दृश्य लिखते समय दो इंद्रियबोधक संकेत जोड़ें और अंतिम वाक्य को उसी दृश्य से निकलने वाले अनुभव से जोड़ें।

7(ग). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :
जीव-जंतुओं के प्रति दया [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- जीव-जंतुओं के प्रति दया का विषय मनुष्य की संवेदना और उत्तरदायित्व से जुड़ा है। रचनात्मक लेख में किसी छोटे अनुभव के माध्यम से इस मूल्य को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया जा सकता है।
- लगभग 120 शब्दों के लेख में शीर्षक, विषय से जुड़ा आरंभ, विचारों का क्रम और प्रभावशाली अंत रखें। भावुकता के साथ व्यावहारिक उदाहरण देने से करुणा का विचार ठोस बनता है।

चरण 1: लेख का स्वरूप निश्चित करें शीर्षक के बाद किसी परिचित दृश्य से आरंभ करें, जैसे गर्मी में प्यास से व्याकुल पक्षी। उस दृश्य से जीवों की पीड़ा और मनुष्य की भूमिका पर विचार की ओर बढ़ें। लेख को केवल उपदेशों की सूची बनाने के बजाय अनुभव और विचार को जोड़कर लिखें।

चरण 2: सामग्री की रूपरेखा बनाएँ पहले जीवों की संवेदनशीलता, फिर दया के छोटे उपाय और अंत में सह-अस्तित्व का संदेश रखें। पानी रखना, घायल पशु की सहायता करना और जीवों को अनावश्यक कष्ट न पहुँचाना उपयोगी उदाहरण हैं। स्पष्ट, सरल भाषा में प्रत्येक वाक्य को मुख्य विषय से जोड़ें और अनावश्यक पुनरावृत्ति से बचें।

चरण 3: पूर्ण रचनात्मक लेख **जीव-जंतुओं के प्रति दया**

तपती दोपहर में खिड़की पर बैठी गौरैया बार-बार सूखे गमले में झाँक रही थी। मैंने एक कटोरी में पानी रखा तो वह तुरंत उतर आई। उसकी छोटी-सी चोंच को पानी छूते देखकर लगा कि दया के लिए बड़े साधनों की आवश्यकता नहीं होती। जीव-जंतु बोल नहीं सकते, पर भूख, प्यास और पीड़ा उन्हें भी होती है। सड़क के घायल पशु की सहायता करना, पक्षियों के लिए पानी रखना और किसी जीव को मनोरंजन के लिए कष्ट न देना हमारी जिम्मेदारी है। बच्चों को भी पशुओं पर पत्थर फेंकने के बजाय उनकी रक्षा करना सिखाना चाहिए। पृथ्वी केवल मनुष्यों की संपत्ति नहीं, सभी प्राणियों का साझा घर है। जब हमारी संवेदना इस घर के हर निवासी तक पहुँचेगी, तभी हमारी मनुष्यता सार्थक होगी।

चरण 4: निष्कर्ष यह लेख एक छोटे अनुभव से आरंभ होकर जीवों के प्रति संवेदना, व्यावहारिक सहायता और साझा जीवन का संदेश देता है।

त्वरित सुझाव: दया जैसे अमूर्त विषय को प्रभावी बनाने के लिए आरंभ में एक छोटा दृश्य और बीच में सहायता का ठोस उदाहरण दें।

7(घ). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

जब मुझे स्वर्ण पदक मिला [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में अनुभव की सजीव प्रस्तुति, भावों का स्वाभाविक विकास और प्रभावपूर्ण अंत आवश्यक हैं।
- आत्मकथात्मक विषय में प्रथम पुरुष शैली, घटनाओं का क्रम और इंद्रियबोधक विवरण लेख को विश्वसनीय बनाते हैं।

चरण 1: लेख का प्रारूप विषय के अनुरूप शीर्षक देकर प्रथम पुरुष में अनुभव लिखना है। लगभग 120 शब्दों में पुरस्कार का क्षण, उससे पहले का परिश्रम, स्वजनों की प्रतिक्रिया और अनुभव से मिली सीख रखनी चाहिए। अनावश्यक भूमिका और केवल उपलब्धियों की सूची से बचें।

चरण 2: विषयवस्तु की योजना आरंभ में मंच का दृश्य और नाम पुकारे जाने का क्षण रखें। फिर कठिन अभ्यास का संक्षिप्त संकेत दें। पदक मिलने पर खुशी के साथ विनम्रता दिखाएँ। अंत में सफलता को निरंतर प्रयास और सहयोग से जोड़ें। भावों की क्रमिक प्रस्तुति लेख को एकसूत्रता देती है। लेख की भाषा सरल और आत्मीय रखें। तालियों की गूँज तथा माता-पिता के चेहरे जैसे छोटे विवरण अनुभव को सजीव बनाते हैं। समापन में आत्मप्रशंसा के स्थान पर कृतज्ञता व्यक्त करने से रचना अधिक प्रभावपूर्ण बनती है।

चरण 3: पूर्ण नमूना लेख **जब मुझे स्वर्ण पदक मिला**

सभागार तालियों से गूँज रहा था। जैसे ही मेरा नाम पुकारा गया, मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि स्वर्ण पदक मुझे मिला है। मंच तक जाते हुए महीनों का कठिन अभ्यास आँखों के सामने घूम गया। सुबह की नींद छोड़ना, असफल प्रयासों पर रोना और फिर नए उत्साह से जुट जाना, सब सार्थक लगने लगा।

प्रधानाचार्य ने पदक पहनाया तो मेरी आँखें भर आईं। सामने बैठे माता-पिता मुसकरा रहे थे और मेरे शिक्षक गर्व से ताली बजा रहे थे। मैंने झुककर उनका अभिवादन किया। उस दिन समझ आया कि जीत अकेले किसी एक व्यक्ति की नहीं होती। उसमें अनेक लोगों का विश्वास और सहयोग शामिल होता है। वह पदक आज भी मुझे मेहनत और विनम्रता का पाठ पढ़ाता है।

चरण 4: निष्कर्ष लेख में पुरस्कार मिलने का अनुभव, उसके पीछे का संघर्ष तथा उससे मिली सीख प्रथम पुरुष में व्यक्त हुई है।

त्वरित सुझाव: पहले पुरस्कार का एक सजीव क्षण चुनें; फिर संघर्ष और सीख जोड़कर लेख को लगभग निर्धारित शब्दों में पूरा करें।

8(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय हमें किस प्रकार की सावधानियाँ रखनी चाहिए ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कहानी में वर्णन से व्यक्त घटनाएँ नाटक में संवाद, अभिनय और दृश्य से व्यक्त होती हैं।
- रूपांतरण में मूल कथ्य सुरक्षित रखते हुए मंच, समय, पात्र और दर्शकों की सीमाओं का ध्यान रखना आवश्यक है।

चरण 1: रूपांतरण का आधार पहचानना कहानी की केंद्रीय संवेदना, मुख्य संघर्ष तथा पात्रों के संबंध पहले पहचानें। कथावाचक के लंबे विवरण को ज्यों का त्यों संवाद बना देना उचित नहीं। जहाँ संभव हो, कथन को पात्रों के व्यवहार, छोटे संवादों और मंचीय क्रिया से सामने लाएँ।

चरण 2: प्रस्तुति की सावधानियाँ दृश्यों का क्रम स्पष्ट हो और दृश्य परिवर्तन सहज हों। पात्रों की संख्या तथा घटनाओं का चयन मंच की व्यावहारिक सीमाओं के अनुसार करें। भाषा पात्रों के स्वभाव और परिस्थिति के अनुकूल हो। वेशभूषा, प्रकाश, ध्वनि और प्रवेश-प्रस्थान के निर्देश संक्षिप्त तथा उपयोगी रखें।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय मूल कथ्य और केंद्रीय संवेदना सुरक्षित रखनी चाहिए। वर्णनात्मक अंशों को संवादों, अभिनय और दृश्यों में बदलना चाहिए। संवाद पात्रानुकूल, संक्षिप्त तथा सहज हों। मंच की सीमाओं के

अनुसार पात्रों और घटनाओं का चयन करें। दृश्य-विभाजन, समय, स्थान, प्रवेश-प्रस्थान तथा ध्वनि-प्रकाश का ध्यान रखें। घटनाओं की निरंतरता और नाटकीय प्रभाव भी बनाए रखें।

चरण 4: निष्कर्ष सफल नाट्य रूपांतरण मूल कहानी की संवेदना को मंच पर दृश्य, क्रिया और पात्रानुकूल संवादों के माध्यम से प्रस्तुत करता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में मूल कथ्य, संवाद, दृश्य-विभाजन और मंचीय सीमाएँ अवश्य लिखें; केवल कहानी का सार न दें।

8(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

रेडियो पर किस तरह के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं ? 19वीं शताब्दी में इसकी लोकप्रियता का क्या कारण था ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य जनसंचार माध्यम है; इसके कार्यक्रम बोले गए शब्द, संगीत और ध्वनि पर आधारित होते हैं।
- रेडियो की व्यापक लोकप्रियता सस्ती उपलब्धता, सरल भाषा और निरक्षर श्रोताओं तक पहुँच से जुड़ी है।

चरण 1: कार्यक्रमों की श्रेणियाँ रेडियो पर समाचार, वार्ताएँ, साक्षात्कार, परिचर्चाएँ, नाटक, संगीत, खेलों का आँखों देखा हाल तथा शैक्षिक और कृषि कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। अलग-अलग आयु और रुचियों के श्रोताओं के लिए कार्यक्रम बनाए जाते हैं। इसमें सूचना, शिक्षा और मनोरंजन तीनों का स्थान है।

चरण 2: काल-संदर्भ और लोकप्रियता प्रश्न में 19वीं शताब्दी का उल्लेख है। रेडियो-संबंधी प्रयोग उस शताब्दी के अंत में विकसित हुए, लेकिन नियमित सार्वजनिक रेडियो प्रसारण और उसकी व्यापक जनप्रियता 20वीं शताब्दी में बढ़ी। इसलिए 19वीं शताब्दी में उसकी व्यापक लोकप्रियता मानना ऐतिहासिक रूप से उचित नहीं है। लोकप्रियता के कारण बताते समय यह अंतर स्पष्ट रखना चाहिए।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर रेडियो पर समाचार, संगीत, नाटक, वार्ता, साक्षात्कार, खेल और शैक्षिक कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। सस्ता साधन होने, निरक्षरों तक पहुँचने, सहज भाषा और काम करते हुए सुनने की सुविधा ने इसे लोकप्रिय बनाया। प्रश्न में उल्लिखित 19वीं शताब्दी में रेडियो की व्यापक लोकप्रियता नहीं थी; नियमित सार्वजनिक प्रसारण और जनप्रियता का विस्तार मुख्यतः 20वीं शताब्दी में हुआ।

चरण 4: निष्कर्ष रेडियो सूचना, शिक्षा और मनोरंजन देता है। उसकी व्यापक जनप्रियता के कारण सुलभता और श्रव्य स्वरूप हैं; उसका काल-संदर्भ मुख्यतः 20वीं शताब्दी है।

त्वरित सुझाव: कार्यक्रमों के उदाहरण और लोकप्रियता के कारण अलग पहचानें; रेडियो के आविष्कार तथा नियमित जनप्रसारण का काल एक न मानें।

8(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

लेखन से आप क्या समझते हैं ? लेखन के लिए अभ्यास क्यों आवश्यक है और कैसे ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- लेखन विचारों, अनुभवों और संवेदनाओं को भाषा के माध्यम से क्रमबद्ध रूप में व्यक्त करने की रचनात्मक प्रक्रिया है।
- नियमित अभ्यास से अभिव्यक्ति की स्पष्टता, शब्दचयन, वाक्यविन्यास और विचारों को व्यवस्थित करने की क्षमता विकसित होती है।

चरण 1: उत्तर की विषयवस्तु तय करना प्रश्न के तीनों पक्ष हैं—लेखन का अर्थ, अभ्यास की आवश्यकता और अभ्यास की विधि। पहले लेखन को लिखित अभिव्यक्ति के रूप में स्पष्ट करना चाहिए। फिर बताना चाहिए कि केवल विचार होना पर्याप्त नहीं; उन्हें उपयुक्त शब्दों

तथा क्रम में प्रस्तुत करना भी सीखना पड़ता है। नियमित पठन, लेखन और संशोधन इसकी व्यावहारिक विधियाँ हैं। पुनर्लेखन करते समय अनावश्यक दोहराव हटाना, अस्पष्ट वाक्यों को सरल बनाना और विचारों के बीच संबंध स्थापित करना उपयोगी होता है। इससे लेखक अपनी कमियाँ पहचानकर उन्हें सुधार पाता है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में आदर्श उत्तर लेखन अपने विचारों, अनुभवों तथा भावनाओं को शब्दों में सुव्यवस्थित ढंग से व्यक्त करने की कला है। अभ्यास से भाषा पर अधिकार, विचारों में स्पष्टता तथा अभिव्यक्ति में प्रभावशीलता आती है। इसके लिए नियमित पढ़ना, आसपास का सूक्ष्म निरीक्षण करना और रोज़ किसी विषय पर लिखना चाहिए। लिखे हुए को दोबारा पढ़कर त्रुटियाँ सुधारने तथा दूसरों की प्रतिक्रिया से भी लेखन निखरता है।

चरण 3: निष्कर्ष लेखन एक साध्य कला है; नियमित पठन, सजग निरीक्षण, लेखन और पुनर्लेखन से इसकी गुणवत्ता बढ़ती है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में अर्थ, अभ्यास का कारण और अभ्यास की विधि—तीनों को शामिल करें; केवल लेखन की परिभाषा देकर न रुकें।

9(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

विचारपरक लेखन किसे कहते हैं ? इसके भेदों का उल्लेख करते हुए अख़बार को होने वाले लाभ बताइए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- विचारपरक लेखन में किसी घटना, समस्या या विषय पर तथ्यों और तर्कों के आधार पर विचार, विश्लेषण तथा मत प्रस्तुत किए जाते हैं।
- समाचार का मुख्य उद्देश्य सूचना देना है, जबकि विचारपरक लेखन उस सूचना के अर्थ और प्रभाव को समझने में भी सहायता करता है।

चरण 1: परिभाषा और प्रमुख रूप पहचानना उत्तर में विचारपरक लेखन का अर्थ स्पष्ट करके संपादकीय, लेख, स्तंभ, टिप्पणियाँ और पाठकों के पत्र जैसे रूपों का उल्लेख करना चाहिए। संपादकीय अख़बार की नीतिगत राय प्रस्तुत करता है। लेख किसी मुद्दे का विश्लेषण करता है तथा स्तंभ में लेखक नियमित रूप से अपनी विशिष्ट दृष्टि रखता है। पाठकों के पत्र जनमत और पाठकीय सहभागिता का माध्यम बनते हैं।

चरण 2: अख़बार के लाभों को जोड़ना विभिन्न मत प्रकाशित होने से अख़बार में वैचारिक विविधता आती है। उसकी अपनी पहचान बनती है तथा गंभीर मुद्दों पर बहस संभव होती है। पाठकों की भागीदारी और उनकी अख़बार के प्रति रुचि बढ़ती है। लाभ को केवल बिक्री बढ़ने तक सीमित नहीं रखना चाहिए; विश्वसनीयता, जनमत निर्माण और पाठकीय संबंध भी महत्त्वपूर्ण हैं।

चरण 3: लगभग 80 शब्दों में आदर्श उत्तर किसी विषय, घटना या समस्या पर तथ्यों और तर्कों के आधार पर विचार तथा विश्लेषण प्रस्तुत करना विचारपरक लेखन है। इसके प्रमुख रूप संपादकीय, लेख, स्तंभ, टिप्पणी और पाठकों के पत्र हैं। इनके माध्यम से अख़बार समसामयिक मुद्दों पर अपनी दृष्टि प्रस्तुत करता है और विभिन्न विचारों को स्थान देता है। इससे उसकी विशिष्ट पहचान बनती है, जनमत निर्माण में सहायता मिलती है तथा पाठकों की भागीदारी बढ़ती है। गंभीर विश्लेषण से अख़बार की विश्वसनीयता और पाठकों के साथ उसका संबंध भी सुदृढ़ होता है।

चरण 4: निष्कर्ष विचारपरक लेखन अख़बार को सूचना के साथ विवेचन और सार्वजनिक संवाद का सशक्त मंच बनाता है।

त्वरित सुझाव: परिभाषा के बाद प्रमुख रूप गिनाएँ और प्रत्येक लाभ को अख़बार की पहचान, विश्वसनीयता या पाठक संबंध से जोड़ें।

9(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

किसी समाचार को लिखते समय मुख्यतः किन छह प्रश्नों का जवाब देना अनिवार्य होता है ? उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- समाचार किसी नई और महत्त्वपूर्ण घटना का तथ्यपरक विवरण है। पाठक की मुख्य जिज्ञासाओं का उत्तर देने से वह स्पष्ट और पूर्ण बनता है।
- छह ककार हैं—क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और कैसे। ये घटना, संबंधित व्यक्ति, स्थान, समय, कारण और घटनाक्रम की जानकारी देते हैं।

चरण 1: छह प्रश्नों का आशय समझिए 'क्या' घटना की पहचान कराता है और 'कौन' उससे जुड़े व्यक्ति या संस्था को स्पष्ट करता है। 'कहाँ' और 'कब' से घटना का स्थान तथा समय पता चलता है। 'क्यों' घटना का कारण बताता है, जबकि 'कैसे' उसके घटित होने की प्रक्रिया समझाता है। कारण या प्रक्रिया की सूचना पुष्ट न हो तो अनुमान को तथ्य बनाकर नहीं लिखना चाहिए। उत्तर में इन छह प्रश्नों के साथ उनका अर्थ देना आवश्यक है। उदाहरणतः किसी दुर्घटना की सूचना में केवल स्थान बता देना पर्याप्त नहीं है; घटना का समय और प्रभावित लोगों की जानकारी भी पाठक को चाहिए। इसी प्रकार कारण और घटना घटने का ढंग दो अलग जिज्ञासाएँ हैं।

चरण 2: लगभग 80 शब्दों में उत्तर समाचार लिखते समय छह ककारों—क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और कैसे—का उत्तर देना आवश्यक है। 'क्या' से घटना, 'कौन' से संबंधित व्यक्ति अथवा संस्था, 'कहाँ' से स्थान और 'कब' से समय का बोध होता है। 'क्यों' घटना का कारण बताता है तथा 'कैसे' उसके घटित होने का ढंग स्पष्ट करता है। इन प्रश्नों के तथ्यपूर्ण उत्तर समाचार को पूर्ण और विश्वसनीय बनाते हैं। सामान्यतः पहले चार ककारों को मुखड़े में तथा कारण और प्रक्रिया को समाचार के विस्तृत विवरण में स्पष्ट किया जाता है।

चरण 3: निष्कर्ष समाचार के छह अनिवार्य प्रश्न हैं—क्या हुआ, कौन संबंधित था, कहाँ हुआ, कब हुआ, क्यों हुआ और कैसे हुआ। इनके उत्तर घटना का पूरा संदर्भ देते हैं।

त्वरित सुझाव: उत्तर लिखते समय छह ककार गिनकर प्रत्येक के सामने उसका आशय जोड़ें; 'क्यों' को कारण और 'कैसे' को घटनाक्रम से अलग पहचानें।

9(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

संवाददाता और विशेष संवाददाता के अंतर को समझाइए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- संवाददाता समाचार-संस्था के लिए घटनाओं की जानकारी जुटाकर समाचार तैयार करता है। तथ्यों की जाँच और विश्वसनीय स्रोतों से संपर्क उसके काम के महत्त्वपूर्ण अंग हैं।
- विशेष संवाददाता किसी खास विषय या क्षेत्र की गहरी जानकारी के आधार पर समाचार के साथ उसकी पृष्ठभूमि और महत्त्व भी स्पष्ट करता है।

चरण 1: कार्य और विशेषज्ञता के आधार पर अंतर तुलना के दो आधार हैं—दायित्व का स्वरूप और समाचार का विवेचन। सामान्य संवाददाता अपने निर्धारित क्षेत्र की रोजमर्रा की घटनाओं का संकलन तथा रिपोर्टिंग करता है। विशेष संवाददाता राजनीति, अर्थव्यवस्था या विदेश मामलों जैसे विषय में विशेषज्ञता रखता है। वह घटना से आगे बढ़कर उसके कारण, पृष्ठभूमि और संभावित प्रभाव की पड़ताल करता है। दोनों के लिए तथ्यपरकता जरूरी है; विशेष संवाददाता की विश्लेषणात्मक भूमिका का अर्थ मनमानी राय देना नहीं है। उत्तर में सामान्य सूचना-संग्रह और विशेषज्ञ विवेचन का अंतर स्पष्ट रखना चाहिए।

चरण 2: लगभग 80 शब्दों में उत्तर संवाददाता अपने निर्धारित क्षेत्र की सामान्य और दैनिक घटनाओं की सूचनाएँ एकत्र कर समाचार-संस्था को भेजता है। उसका मुख्य कार्य तथ्यों की जाँच करके घटनाओं की सही और समय पर रिपोर्टिंग करना है। विशेष संवाददाता किसी खास विषय या क्षेत्र, जैसे राजनीति, अर्थव्यवस्था या विदेश मामलों, का जानकार होता है। वह समाचार देने के साथ उसकी

पृष्ठभूमि, कारणों और प्रभावों का विश्लेषण भी करता है। इस प्रकार संवाददाता का जोर घटनाओं की नियमित रिपोर्टिंग पर, जबकि विशेष संवाददाता का जोर विशेषज्ञता के साथ गहन विवेचन पर होता है।

चरण 3: निष्कर्ष सामान्य संवाददाता दैनिक घटनाओं की रिपोर्टिंग करता है; विशेष संवाददाता किसी विषय की विशेषज्ञ जानकारी के आधार पर घटना की पृष्ठभूमि और प्रभावों का विवेचन भी करता है।

त्वरित सुझाव: अंतर लिखते समय पहले सामान्य संवाददाता का काम बताइए, फिर उन्हीं आधारों पर विशेष संवाददाता की विशेषज्ञता और विश्लेषणात्मक भूमिका स्पष्ट कीजिए।

10(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
'आत्मपरिचय' कविता में कवि को यह संसार अपूर्ण क्यों लगता है ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कवि का प्रेमपूर्ण हृदय और संसार का स्वार्थपूर्ण व्यवहार अलग हैं।
- उत्तर का आधार कविता का कथ्य, उसका प्रतीक-विधान और प्रश्न में पूछा गया विशिष्ट संबंध है।

चरण 1: कथ्य को समझिए कवि निजी अनुभूतियों, प्रेम और मस्ती को महत्त्व देता है। संसार उससे सामाजिक व्यवहार के अनुरूप चलने की अपेक्षा करता है, जबकि वह अपनी भीतरी स्वतंत्रता बनाए रखना चाहता है।

चरण 2: भाव और संदर्भ स्पष्ट कीजिए कविता में जग और कवि के बीच असंगति उभरती है। जग का जीवन केवल बाहरी उपलब्धियों से पूर्ण नहीं हो सकता; सहृदयता और प्रेम के अभाव में वह कवि को अधूरा दिखाई देता है। कवि संसार से संबंध रखते हुए भी उसके स्वार्थ और रूढ़ियों को स्वीकार नहीं करता। कवि संसार का भार उठाते हुए भी जीवन में प्रेम की धुन सँजोए हुए है। इसलिए उसकी दृष्टि में पूर्णता का माप धन या सामाजिक सफलता नहीं है। वह ऐसा जग चाहता है जिसमें व्यक्ति की अनुभूति, स्वतंत्रता और प्रेम को समझा जाए। इस अपेक्षा और वास्तविक जग के व्यवहार के बीच दूरी ही प्रश्न का मूल कारण है।

चरण 3: प्रश्नानुसार संक्षिप्त उत्तर कवि को संसार इसलिए अपूर्ण लगता है क्योंकि यहाँ प्रेम, सहृदयता और आत्मीयता का अभाव है। लोग स्वार्थ तथा सांसारिक उपलब्धियों में उलझे हैं, जबकि कवि प्रेम और हृदय की अनुभूतियों को महत्त्व देता है। संसार उसके स्वतंत्र, मस्त और प्रेममय व्यक्तित्व को समझ नहीं पाता। कवि और जग की इसी असंगति के कारण उसे संसार अधूरा लगता है।

चरण 4: निष्कर्ष इस प्रकार कवि का प्रेममय व्यक्तित्व संसार के स्वार्थ और संवेदनहीनता से मेल नहीं खाता।

त्वरित सुझाव: जग की अपूर्णता को प्रेम के अभाव और कवि की स्वतंत्र चेतना से जोड़कर लिखिए।

10(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
कविता और फूलों के बीच की समानता और अंतर को 'कविता के बहाने' कविता के संदर्भ में लिखिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- दोनों आनंद देते हैं, पर कविता का प्रभाव स्थान और समय की सीमा से आगे जाता है।
- उत्तर का आधार कविता का कथ्य, उसका प्रतीक-विधान और प्रश्न में पूछा गया विशिष्ट संबंध है।

चरण 1: कथ्य को समझिए फूल खिलकर रंग और सुगंध फैलाते हैं। कविता भी शब्दों और भावों से पाठक के मन में सौंदर्य तथा प्रसन्नता जगाती है। इसलिए खिलना दोनों में आनंद के प्रसार का प्रतीक है।

चरण 2: भाव और संदर्भ स्पष्ट कीजिए फूल का जीवन सीमित है; वह मुरझा जाता है और उसकी सुगंध की पहुँच भी सीमित है। कविता

की अर्थवत्ता किसी एक स्थान, मौसम या व्यक्ति तक सीमित नहीं होती। वह अलग समय के पाठकों में भी नए अर्थ और अनुभूतियाँ जगा सकती है। फूल अपने आसपास की दुनिया को सुंदर बनाता है, जबकि कविता मनुष्य के भीतर की संवेदना को समृद्ध करती है। फूल के खिलने की प्रक्रिया दृश्य है; कविता का खिलना भावात्मक है। फूल अपनी खिलावट का सौंदर्य देता है और कविता अर्थों की अनेक संभावनाएँ खोलती है। इसी कारण कविता को केवल फूल की भौतिक सीमाओं से नहीं आँका जा सकता।

चरण 3: प्रश्नानुसार संक्षिप्त उत्तर फूल और कविता दोनों खिलकर आनंद तथा सौंदर्य का प्रसार करते हैं। फूल रंग और सुगंध से मन मोहता है, जबकि कविता शब्दों और भावों से हृदय को आनंदित करती है। अंतर यह है कि फूल का जीवन और उसकी सुगंध की पहुँच सीमित है; कविता समय तथा स्थान की सीमाएँ पार करके अनेक पाठकों को निरंतर आनंद देती है।

चरण 4: निष्कर्ष इस प्रकार कविता का सौंदर्य फूल की तरह आनंददायक होते हुए भी अधिक व्यापक और स्थायी है।

त्वरित सुझाव: पहले दोनों के आनंददायक सौंदर्य की समानता, फिर फूल की सीमा और कविता की व्यापकता लिखिए।

10(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
कृषक अधीर होकर बादल को क्यों बुलाता है ? 'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- बादल वर्षा के साथ परिवर्तन और शोषण से मुक्ति का भी प्रतीक है।
- उत्तर का आधार कविता का कथ्य, उसका प्रतीक-विधान और प्रश्न में पूछा गया विशिष्ट संबंध है।

चरण 1: कथ्य को समझिए किसान की जीविका खेती पर निर्भर है। वर्षा के अभाव में फसल और जीवन संकट में पड़ते हैं। इसलिए बादल का आगमन उसके लिए हरियाली, अन्न और नई आशा लेकर आता है।

चरण 2: भाव और संदर्भ स्पष्ट कीजिए कविता में किसान के क्षीण शरीर और शोषित जीवन का चित्र है। उसने अपना सार दूसरों के लिए खो दिया है। वह बादल को विप्लव का वीर मानकर पुकारता है, क्योंकि उसे ऐसी शक्ति की प्रतीक्षा है जो जड़ व्यवस्था को बदलकर उसके जीवन में अधिकार और समृद्धि लाए। किसान की व्याकुलता केवल निजी दुख नहीं है; वह पूरे श्रमजीवी वर्ग की पीड़ा को सामने लाती है। बादल की गर्जना शक्तिशाली लोगों को भयभीत करती है, पर किसान उसमें अपना सहायक देखता है। इस विपरीत प्रतिक्रिया से स्पष्ट होता है कि वंचित किसान को परिवर्तन से आशा है। वह जीवन और व्यवस्था, दोनों में नयापन चाहता है।

चरण 3: प्रश्नानुसार संक्षिप्त उत्तर कृषक शोषण और अभाव से दुर्बल हो गया है। उसकी भुजाएँ क्षीण और शरीर जीर्ण है। उसकी खेती वर्षा पर निर्भर है, इसलिए बादल उसे अन्न तथा जीवन की आशा देता है। साथ ही बादल क्रांति का प्रतीक है। कृषक उसे अधीर होकर बुलाता है ताकि शोषणकारी व्यवस्था बदले और उसके जीवन में सुख, समृद्धि तथा नया उत्साह आए।

चरण 4: निष्कर्ष इस प्रकार किसान की पुकार में जीवनदायी वर्षा और शोषण से मुक्ति, दोनों की आकांक्षा है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में वर्षा की आवश्यकता के साथ बादल के क्रांतिकारी रूप और किसान के शोषण को भी जोड़िए।

11(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :
तुलसी ने अपने पद 'धूत कहौ, अवधूत कहौ ...' में अपने स्वाभिमान को कैसे व्यक्त किया है ? स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- तुलसीदास की भक्ति और आत्मनिर्भरता उन्हें सामाजिक निंदा से निर्भय बनाती है।
- उत्तर का आधार कविता का कथ्य, उसका प्रतीक-विधान और प्रश्न में पूछा गया विशिष्ट संबंध है।

चरण 1: कथ्य को समझिए तुलसी को धूर्त, अवधूत या किसी भी जाति का कहे जाने की चिंता नहीं है। उन्हें न किसी से विवाह संबंध जोड़ना है, न जातिगत प्रतिष्ठा पर निर्भर होना है। इस प्रकार वे जाति और लोकनिंदा के दबाव को अस्वीकार करते हैं।

चरण 2: भाव और संदर्भ स्पष्ट कीजिए वे स्वयं को राम का सेवक मानते हैं। माँगकर खाना और मस्जिद में सोना स्वीकार है, पर किसी की चापलूसी या दासता स्वीकार नहीं। किसी से लेना और किसी को देना न होने का भाव सांसारिक स्वार्थ से मुक्त व्यक्तित्व को स्पष्ट करता है।

चरण 3: प्रश्नानुसार संक्षिप्त उत्तर तुलसीदास कहते हैं कि लोग उन्हें चाहे धूर्त, अवधूत या किसी भी जाति का कहें, उन्हें परवाह नहीं। वे राम के सेवक हैं। माँगकर खाना और मस्जिद में सोना उन्हें स्वीकार है; लोकनिंदा या जातिगत प्रतिष्ठा के लिए वे अपना स्वाभिमान नहीं छोड़ते।

चरण 4: निष्कर्ष इस प्रकार रामभक्ति से उत्पन्न निर्भयता में तुलसीदास का स्वाभिमान व्यक्त हुआ है।

त्वरित सुझाव: स्वाभिमान का आधार रामभक्ति, लोकनिंदा से निर्भयता और सांसारिक स्वार्थ से स्वतंत्रता को बनाइए।

11(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :
'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि ने कागज के पन्ने को खेत की तरह क्यों कहा है ? समझाइए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कागज और खेत की समानता साहित्यिक सृजन की प्रक्रिया को समझाती है।
- उत्तर का आधार कविता का कथ्य, उसका प्रतीक-विधान और प्रश्न में पूछा गया विशिष्ट संबंध है।

चरण 1: कथ्य को समझिए खेत में बीज बोने और फसल उगने की तरह कागज पर भाव तथा विचार शब्दों का रूप लेते हैं। कवि का मन सृजन का स्रोत है; कागज वह आधार है जिस पर रचना विकसित होकर पाठक के सामने आती है।

चरण 2: भाव और संदर्भ स्पष्ट कीजिए कविता में भाव का बीज कल्पना से पोषित होकर शब्दों के अंकुर और रचना की फसल बनता है। खेती की उपज समाप्त हो सकती है, पर साहित्य की आनंददायी उपज बार-बार पढ़ने पर भी बनी रहती है। अतः रूपक का उद्देश्य केवल पन्ने का आकार बताना नहीं, रचनात्मक प्रक्रिया दिखाना है।

चरण 3: प्रश्नानुसार संक्षिप्त उत्तर कागज पर भाव-बीज पड़ते हैं। कल्पना उन्हें विकसित करती है और शब्दों के अंकुर फूटकर कविता की फसल बनते हैं। यह फसल पाठकों को अक्षय आनंद देती है। इसी सृजनात्मक समानता के कारण कवि ने पन्ने को खेत कहा है।

चरण 4: निष्कर्ष इस प्रकार कागज का खेत काव्य-सृजन और उसके अक्षय आनंद का रूपक है।

त्वरित सुझाव: रूपक समझाते समय पन्ना, भाव का बीज, कल्पना और शब्दों की फसल का क्रम बनाए रखिए।

11(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :
'उषा' कविता में प्रकृति में होने वाला परिवर्तन मानवीय जीवन-चित्र बन कर किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- प्रकृति के बदलते रंगों को घरेलू वस्तुओं और परिचित गतिविधियों से जोड़ना कविता की प्रमुख विशेषता है।
- बिंब दृश्य को सजीव बनाते हैं; प्रत्येक उपमान सुबह के किसी बदलते रूप को व्यक्त करता है।

चरण 1: घरेलू जीवन के बिंब पहचानिए कवि ने भोर के नीले आकाश को राख से लीपे हुए गीले चौके से जोड़ा है। यह चित्र घर के रोजमर्रा के काम की याद दिलाता है। सुबह की लालिमा कभी काली सिल पर घिसे लाल केसर जैसी और कभी स्लेट पर रगड़ी लाल

खड़िया जैसी दिखाई देती है।

चरण 2: रंगों से मानवीय क्रिया तक पहुँचिए जैसे-जैसे प्रकाश बढ़ता है, नीले आकाश में उजला रूप उभरता है। उसे नीले जल में झिलमिलाते गौर शरीर के बिंब से व्यक्त किया गया है। इस प्रकार प्रकृति स्थिर रंगों का चित्र न रहकर घरेलू जीवन और मानवीय क्रियाओं का जीवंत दृश्य बन जाती है।

चरण 3: निष्कर्ष कवि ने भोर के नीले आकाश को राख से लीपे गीले चौके, लालिमा को सिल पर घिसे केसर तथा स्लेट की लाल खड़िया से जोड़ा है। नीले जल में झिलमिलाता गौर शरीर भी प्रकृति को परिचित मानवीय जीवन का रूप देता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में केवल रंग न गिनाएँ; उन्हें चौके, सिल, स्लेट और मानवीय शरीर के बिंबों से जोड़ें।

12(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
'भक्तिन' पाठ में "भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा" — लेखिका ने ऐसा क्यों कहा है ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- चरित्र का मूल्यांकन उसके गुणों और कमियों, दोनों के आधार पर किया जाता है।
- लेखिका भक्तिन की सेवा और आत्मीयता स्वीकारते हुए उसकी मानवीय दुर्बलताएँ भी दिखाती हैं।

चरण 1: कथन का प्रसंग समझिए महादेवी वर्मा भक्तिन का आदर्शीकृत चित्र नहीं बनातीं। भक्तिन उनकी निष्ठावान सेविका और आत्मीय सहयोगिनी है, किंतु उसका व्यक्तित्व दोषरहित नहीं है। इसलिए उसे केवल अच्छी कह देना उसके जटिल स्वभाव का पूरा परिचय नहीं देगा।

चरण 2: दुर्बलताओं के पाठगत उदाहरण दीजिए भक्तिन लेखिका के इधर-उधर पड़े पैसे मटकी में छिपा देती है और इसे चोरी नहीं मानती। लेखिका को अप्रसन्न करने वाली बात को बदलकर कहना भी उसके विचार में झूठ नहीं है। वह अपने तर्कों से अपना पक्ष सही सिद्ध करती है।

चरण 3: जिद और आत्मीयता का संतुलन रखिए लेखिका के निर्देशों के बावजूद वह अपनी आदतें बदलना नहीं चाहती; उलटे लेखिका को अपने अनुकूल बनाना चाहती है। सिर मुँड़ाने जैसी प्रथाओं पर उसका आग्रह भी इसी जिद का उदाहरण है। ये कमियाँ उसके स्नेह और समर्पण को मिटाती नहीं, पर उसे सर्वथा अच्छी कहना कठिन बनाती हैं।

चरण 4: निष्कर्ष भक्तिन में निष्ठा और सेवाभाव के साथ कुछ दुर्बलताएँ भी थीं। वह लेखिका के इधर-उधर पड़े पैसे मटकी में छिपाती, अप्रिय सत्य को बदलकर कहती और अपने आचरण को उचित सिद्ध करने के लिए तर्क देती थी। अपनी आदतें छोड़ने के बजाय लेखिका को बदलना चाहती थी। इसलिए लेखिका उसे पूरी तरह अच्छी नहीं कह पातीं।

त्वरित सुझाव: कथन के समर्थन में पैसे छिपाना, बात बदलना और अपनी आदतों पर अड़े रहना जैसे ठोस प्रसंग दें।

12(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि मनुष्य की क्षमता किन बातों पर निर्भर करती है। स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- आंबेडकर जन्म के आधार पर पेशा निर्धारित करने का विरोध करते हैं।
- व्यक्तिगत योग्यता विकसित होने के लिए शिक्षा, सामाजिक अवसर और अनुकूल परिस्थितियाँ आवश्यक हैं।

चरण 1: क्षमता का वास्तविक आधार स्पष्ट कीजिए मनुष्य की क्षमता केवल उसकी जाति या वंश से तय नहीं होती। उसके अपने प्रयत्न,

रुचि और शिक्षा के साथ सामाजिक परिस्थितियाँ भी उसे विकसित करती हैं। उचित प्रशिक्षण और काम करने का अवसर मिलने पर व्यक्ति अपनी योग्यता का उपयोग कर सकता है।

चरण 2: पाठ में बताए व्यापक प्रभाव पहचानिए पाठ के अनुसार शारीरिक वंशपरंपरा, सामाजिक उत्तराधिकार तथा व्यक्ति के अपने प्रयत्न मनुष्य की क्षमता को प्रभावित करते हैं। सामाजिक उत्तराधिकार में देखभाल, शिक्षा और संचित ज्ञान जैसी सुविधाएँ आती हैं। इनमें असमानता होने पर लोगों के विकास के अवसर भी असमान हो जाते हैं।

चरण 3: जातिगत पेशे की सीमा समझाइए जाति-प्रथा व्यक्ति की पसंद और अर्जित योग्यता की जगह जन्म के आधार पर पेशा थोपती है। इससे उसकी स्वाभाविक शक्तियों का पूरा विकास नहीं हो पाता। इसलिए क्षमता के विकास के लिए समान अवसर और काम चुनने की स्वतंत्रता आवश्यक हैं।

चरण 4: निष्कर्ष मनुष्य की क्षमता शारीरिक वंशपरंपरा, सामाजिक उत्तराधिकार और उसके अपने प्रयत्नों पर निर्भर करती है। सामाजिक उत्तराधिकार में पालन-पोषण, शिक्षा, ज्ञान-संपदा तथा विकास के अवसर आते हैं। अनुकूल वातावरण और प्रशिक्षण से प्रतिभा विकसित होती है। जन्म या जाति के आधार पर पेशा थोपने से रुचि और योग्यता दबती हैं; इसलिए समान अवसर तथा स्वतंत्रता आवश्यक हैं।

त्वरित सुझाव: क्षमता के तीन आधार लिखें और सामाजिक उत्तराधिकार में शिक्षा तथा विकास के अवसरों का अर्थ स्पष्ट करें।

12(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
'शिरीष के फूल' पाठ में चर्चित अशोक वृक्ष की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पाठ में अशोक का उल्लेख भारतीय उद्यान-परंपरा के सुंदर वृक्ष के रूप में आता है।
- वृक्ष की प्राकृतिक विशेषताओं के साथ उससे जुड़ी सांस्कृतिक मान्यता अलग ढंग से प्रस्तुत करनी चाहिए।

चरण 1: अशोक का प्राकृतिक रूप बताइए अशोक सुंदर और छायादार वृक्ष है। उसकी घनी, चिकनी हरी पत्तियाँ आकर्षक हरीतिमा रचती हैं। यह वृक्ष भारतीय उद्यानों में शोभा और शीतल छाया, दोनों के लिए स्थान पाता था। पाठ में अशोक को अरिष्ट, पुन्नाग और शिरीष के साथ लगाने की उद्यान-परंपरा का उल्लेख है।

चरण 2: पुष्प-सौंदर्य और काव्य-परंपरा जोड़िए अशोक के लाल फूल उसके विशेष आकर्षण का कारण हैं। भारतीय साहित्य में उसका संबंध वसंत, प्रेम और सौंदर्य से रहा है। सुंदरियों के चरणों के आघात से उसके फूल उठने की कवि-मान्यता भी प्रचलित थी। इसे वनस्पति-विज्ञान का तथ्य नहीं, काव्य की सांस्कृतिक कल्पना समझना चाहिए।

चरण 3: प्रासंगिक विशेषताएँ समेटिए प्रश्न अशोक की विशेषताएँ पूछता है, इसलिए शिरीष की कठोर फलियों या भीषण गर्मी में खिलने जैसे गुण अशोक के नाम पर नहीं लिखने चाहिए। घनी हरीतिमा, छाया, आकर्षक पुष्प और भारतीय साहित्य तथा वाटिका में उसका स्थान उत्तर के उपयुक्त आधार हैं।

चरण 4: निष्कर्ष अशोक सुंदर, छायादार और घनी, चिकनी हरी पत्तियों वाला वृक्ष है। उसके लाल फूल आकर्षक होते हैं। भारतीय उद्यान-परंपरा में अशोक को अरिष्ट, पुन्नाग तथा शिरीष के साथ लगाया जाता था। वसंत और प्रेम से जुड़े इस वृक्ष का साहित्य में विशेष स्थान है। सुंदरियों के चरणाघात से उसके खिलने की काव्य-मान्यता भी प्रचलित रही है।

त्वरित सुझाव: अशोक की छाया, घनी हरीतिमा और पुष्प-सौंदर्य लिखें; शिरीष की विशेषताओं से इन्हें न मिलाएँ।

13(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

लुट्टन को राजा साहब ने किस प्रकार पुरस्कृत किया और क्यों ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कथा में लुट्टन की प्रतिभा को दंगल में मिली विजय से सार्वजनिक पहचान मिलती है।
- राजाश्रय के रूप में स्थायी संरक्षण और सम्मान, दोनों का उल्लेख आवश्यक है।

चरण 1: पुरस्कार मिलने का कारण बताइए श्यामनगर के दंगल में लुट्टन ने प्रसिद्ध पहलवान चाँद सिंह को चुनौती दी और कुश्ती में उसे हरा दिया। बिना किसी बड़े पहलवान से विधिवत प्रशिक्षण पाए ऐसी विजय प्राप्त करना उसकी शक्ति, साहस और प्रतिभा का प्रमाण था। राजा साहब इस प्रदर्शन से प्रसन्न हुए।

चरण 2: पुरस्कार और सम्मान स्पष्ट कीजिए राजा साहब ने उसे अपने दरबार में स्थायी रूप से रख लिया। वह राज-पहलवान बन गया और उसके भरण-पोषण की व्यवस्था राजदरबार से होने लगी। राजा उसे लुट्टन सिंह कहकर पुकारने लगे। इस प्रकार पुरस्कार ने उसे आजीविका, संरक्षण और प्रतिष्ठा दी।

चरण 3: निष्कर्ष लुट्टन ने दंगल में प्रसिद्ध पहलवान चाँद सिंह को हराकर अपना साहस और कौशल दिखाया। प्रसन्न राजा साहब ने उसे सदा के लिए दरबार में रख लिया। वह राज-पहलवान बना, उसे राजाश्रय मिला और राजा उसे सम्मान से लुट्टन सिंह पुकारने लगे।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पहले चाँद सिंह पर विजय का कारण और फिर स्थायी राजाश्रय तथा सम्मान का उल्लेख करें।

13(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'काले मेघा पानी दे' शीर्षक पाठ में लेखक अंधविश्वासों का विरोधी क्यों था ? कारणों का उल्लेख कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- धर्मवीर भारती के संस्मरण में वर्षा के लिए इंदर सेना पर पानी उलीचने की लोकपरंपरा और लेखक की तर्कशील दृष्टि का द्वंद्व व्यक्त हुआ है।
- उत्तर में लेखक के आर्यसमाजी संस्कार, कुमार-सुधार सभा के अनुभव और पानी की बरबादी के विरोध को कारण के रूप में जोड़ना चाहिए।

चरण 1: वैचारिक पृष्ठभूमि पहचानना लेखक आर्यसमाजी संस्कारों में पला था और कुमार-सुधार सभा में भी काम कर चुका था। इसलिए वह किसी प्रथा को केवल परंपरा के आधार पर स्वीकार नहीं करता था। वह उसके पीछे तर्क तथा उपयोगिता खोजता था। इंदर सेना पर पानी डालने से वर्षा होने का विश्वास उसे इसी कारण स्वीकार्य नहीं था।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर लेखक आर्यसमाजी संस्कारों में पला था तथा कुमार-सुधार सभा में काम कर चुका था। इसलिए वह रूढ़ियों और अंधविश्वासों का विरोध करता था। वर्षा के अभाव में पानी की कमी के बावजूद इंदर सेना पर पानी उलीचना उसे पानी की बरबादी लगता था।

चरण 3: निष्कर्ष लेखक का विरोध उसके सुधारवादी संस्कारों, तर्कशील सोच और पानी की बरबादी के प्रति असहमति से उत्पन्न हुआ था।

त्वरित सुझाव: कारण बताते समय आर्यसमाजी संस्कार और पानी की बरबादी दोनों लिखें; केवल लेखक को आधुनिक विचारों वाला कहकर उत्तर अधूरा न छोड़ें।

13(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'बाज़ार दर्शन' पाठ में लेखक ने बाज़ार का पोषण करने वाले अर्थशास्त्र को अन्यायशास्त्र, अनीति-शास्त्र क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए।

[2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- जैनेंद्र कुमार का निबंध आवश्यकता की पहचान और संयमित खरीदारी का महत्त्व बताता है। बाज़ार का लाभ तभी सार्थक है जब वह मनुष्य की वास्तविक जरूरतों को पूरा करे।
- अन्याय और अनीति का संबंध उस अर्थव्यवस्था से है जो मनुष्य की दुर्बलताओं तथा धन की ताकत के सहारे छल-कपट और शोषण को बढ़ावा देती है।

चरण 1: बाज़ार के पोषण का आशय समझना लेखक की आपत्ति उपयोगी वस्तुओं के सामान्य क्रय-विक्रय से नहीं है। वह ऐसे अर्थशास्त्र पर प्रश्न उठाता है जिसमें व्यक्ति केवल धन की शक्ति दिखाने या अनावश्यक वस्तुएँ जुटाने के लिए खरीदता है। इससे मनुष्य की वास्तविक आवश्यकताओं के स्थान पर प्रलोभन और लाभ प्रमुख हो जाते हैं। बाज़ार मनुष्य की सेवा के बजाय उसका शोषण करने लगता है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर ऐसा अर्थशास्त्र मनुष्य की आवश्यकताओं के बजाय उसकी इच्छाओं और दुर्बलताओं का लाभ उठाता है। धन की शक्ति, छल-कपट और शोषण को बढ़ावा देकर वह मानवीय संबंधों तथा नैतिकता को नष्ट करता है। इसीलिए लेखक ने उसे अन्यायशास्त्र और अनीति-शास्त्र कहा है।

चरण 3: निष्कर्ष मनुष्य के हित को पीछे छोड़कर धन, प्रलोभन और शोषण को प्रधानता देने के कारण यह अर्थशास्त्र अन्याय और अनीति का रूप ले लेता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में बाज़ार की सामान्य उपयोगिता पर टिप्पणी करने के बजाय इच्छाओं के दोहन, शोषण और नैतिकता की हानि को कारण बनाइए।